NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 178 लखनऊ, बुधवार 18 फरवरी 2026 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

भारत फ्रांस साझेदारी की कोई सीमा नहीं, मैक्रों से मुलाकात के बाद पीएम मोदी

एजेंसी।

दिल्ली। दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रॉन से मिलकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने भारत की वित्तीय राजधानी में अपने अनुभव साझा किए और कहा कि मैक्रोन को यह शहर पसंद आया और उन्होंने सुबह की दौड़ का आनंद लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की, जिसका उद्देश्य भारत–फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। यह वार्ता महाराष्ट्र लोक भवन में हुई, जहां दोनों नेताओं ने अपने–अपने प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करते हुए आपसी हित के कई मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक राष्ट्रपति मैक्रॉन की भारत

की चौथी यात्रा के अंतर्गत हुई। इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रॉन से मिलकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने भारत की वित्तीय राजधानी में अपने अनुभव साझा किए और कहा कि मैक्रोन को यह शहर पसंद आया और उन्होंने सुबह की दौड़ का आनंद लिया।प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, मुंबई में अपने मित्र, राष्ट्रपति मैक्रोन से मिलकर बहुत खुशी हुई! उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें यह शहर बहुत पसंद आया और उन्होंने सुबह की दौड़ का भी आनंद लिया!ß दोनों नेताओं ने अपनी वार्ता से पहले मुंबई के लोकसभा भवन में मुलाकात की, जहां उन्होंने भारत–फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की। दोनों नेताओं को एक–दूसरे का अभिवादन करते हुए सौहार्दपूर्ण बातचीत करते देखा गया। आज सुबह मुंबई में सुबह की चहल–पहल शुरू होने के समय, फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने सुबह की सैर में शामिल होकर मुंबईवासियों को चौंका दिया।फ्रांसीसी राष्ट्रपति को फ्रांसीसी और भारतीय अधिकारियों सहित सुरक्षाकर्मियों के एक दल के साथ जॉगिंग करते देखा गया। यह जॉगिंग शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और रास्ते में मीडिया और स्थानीय लोगों की ओर से कोई खास व्यवधान नहीं हुआ। उसी दिन, आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को दर्शाते हुए एक मार्मिक क्षण में, फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रॉन और प्रथम महिला ब्रिगिट मैक्रॉन ने अपने आगमन पर 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिक्षा मंत्री ने राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का शुभारंभ किया, 8033 परीक्षा केंद्र बनाए गए

संवाददाता।

लखनऊ माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने मंगलवार को ऑनलाइन मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने सभी परीक्षार्थियों को तनावमुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने और अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दीं।उत्तर प्रदेश में 18 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक बोर्ड परीक्षाएं आयोजित होंगी, जिसमें कुल 53,37,778 परीक्षार्थी शामिल होंगे। नकलविहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए 8033 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम लखनऊ में टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबर 18001806607 और 18001806608 उपलब्ध हैं। यूपी माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के टोल–फ्री हेल्पलाइन नंबर 18001805310 और 18001805312 हैं। माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने मंगलवार को ऑनलाइन मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। कुल 8033 परीक्षा केंद्रों में 596 राजकीय, 3453 अशासकीय सहायता प्राप्त और 3984 स्ववित्त पोषित माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। 18 जिलों को संवेदनशील और 222 केंद्रों को अति संवेदनशील, जबकि 683 केंद्रों को संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र के प्रत्येक कक्ष में वॉयस रिकॉर्डर युक्त 2 सीसीटीवी

कैमरे, राउटर, डीवीआर और हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन लगाए गए हैं, जिससे वेबकास्टिंग के माध्यम से लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी। परीक्षा में 8033 केंद्र व्यवस्थापक, 8033 बाह्य केंद्र व्यवस्थापक, 8033 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 1210 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 427 जोनल मजिस्ट्रेट और 69 मंडलीय व 440 जनपदीय सचल दल नियुक्त किए गए हैं।प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त रिजर्व सेट्स की व्यवस्था की गई है, जिन्हें सुरक्षित डबल लॉक अलमारी में सील बंद करके रखा जाएगा। उत्तर पुस्तिकाओं पर माध्यमिक शिक्षा परिषद का लोगो और सूक्ष्म आकार में न्ब्ैद्य अंकन होगा।

बांग्लादेश के 11 वें प्रधानमंत्री बने तारिक रहमान, कैबिनेट मंत्रियों में कौन-कौन शामिल

राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने तारिक रहमान और उनके नवोदित मंत्रिमंडल को पद की शपथ दिलाई। लगभग 1,200 उपस्थित लोगों की विशाल अतिथि सूची को देखते हुए यह समारोह राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया गया। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के 25 निर्वाचित सांसदों ने मंत्री पद की शपथ ली और 24 अन्य नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्य मंत्री पद की शपथ ली। देश की राजनीतिक दिशा में एक ऐतिहासिक बदलाव के तहत, तारिक रहमान और सभी निर्वाचित बीएनपी सांसदों ने मंगलवार को ढाका स्थित राष्ट्रीय संसद भवन में शपथ ली। यह ऐतिहासिक समारोह 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनावों के बाद आयोजित किया गया, जिसमें बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। घ्राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने तारिक रहमान और उनके नवोदित मंत्रिमंडल को पद की शपथ दिलाई। लगभग 1,200 उपस्थित लोगों की विशाल अतिथि सूची

को देखते हुए यह समारोह राष्ट्रीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया गया। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के 25 निर्वाचित सांसदों ने मंत्री पद की शपथ ली और 24 अन्य नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्य मंत्री पद की शपथ ली। 13वें संसदीय चुनाव में रहमान की बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने 297 में से 209 सीटें हासिल कीं, जबकि दक्षिणपंथी जमात–ए–इस्लामी को 68 सीटें मिलीं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने संसद के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। सचिवालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 13वीं जातीय संसद (जेएस) के सभी 297 नवनिर्वाचित सांसदों ने पहले संसद सदस्य (सांसद) के रूप में और फिर संवैधानिक सुधार परिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली। बीएनपी ने संसदीय दल के नेता के चुनाव के लिए सुबह 11रू30 बजे संसद भवन में संसदीय दल की बैठक बुलाई है। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने कहा, ष्बहुमत दल के नेता के रूप में, हमारे पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान प्रधानमंत्री होंगे। सोमवार को बंगभवन स्थित राष्ट्रपति भवन के एक अधिकारी ने बताया कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, शपथ ग्रहण के तुरंत बाद, बीएनपी सांसद अपने नेता का चुनाव करेंगे, जिन्हें राष्ट्रपति सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

काकोरी में युवक की चाकू मारकर हत्या, चार नामजद आरोपी हिरासत में

संवाददाता। लखनऊ। थाना काकोरी क्षेत्र में ग्राम लालताखेड़ा के बाहर एक बाग के पास सोमवार रात लगभग 10 बजे युवक पर चाकू से हमला किए जाने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी और थाना प्रभारी काकोरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फील्ड यूनिट ने साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की। मौके पर रक्त के धब्बे पाए गए।जांच में सामने आया कि घायल युवक रामसागर पुत्र इन्दल, उम्र लगभग 24 वर्ष, निवासी ग्राम माधौटांडा थाना माधौटांडा जनपद पीलीभीत को उसके भाई राहुल द्वारा 108 एंबुलेंस से सीएचसी सरोजनीनगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।राहुल की तहरीर के अनुसार रामसागर ने दिसंबर 2024 में कामिनी पुत्री भीमा गौतम निवासी ग्राम लालताखेड़ा थाना काकोरी से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद कामिनी कुछ समय ससुराल में रही, लेकिन बाद में उसके परिजन उसे अपने घर ले गए।

हथियार लेकर घर में घुसे...ममता बनर्जी ने सुरक्षा में चूक का आरोप लगाया

एजेंसी।

कलकता। विधानसभा चुनाव से पहले एबीपी आनंद को दिए एक साक्षात्कार में बनर्जी ने दावा किया कि कम से कम तीन से चार बार घुसपैठ के प्रयास हुए हैं। उन्होंने बताया कि एक बार एक व्यक्ति लोहे की छड़ लेकर परिसर में घुसा, जबकि दूसरी बार एक व्यक्ति कथित तौर पर बंदूक लेकर आया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले कुछ वर्षों में अपने कालीघाट आवास पर कई सुरक्षा उल्लंघनों का आरोप लगाया है, जिनमें कथित तौर पर हथियार लेकर परिसर में प्रवेश करने की घटनाएं भी शामिल हैं। विधानसभा चुनाव से पहले एबीपी आनंद को दिए एक साक्षात्कार में बनर्जी ने दावा किया कि कम से कम तीन से चार बार घुसपैठ के प्रयास हुए हैं। उन्होंने बताया कि एक बार एक व्यक्ति लोहे की छड़ लेकर परिसर में घुसा, जबकि दूसरी बार एक व्यक्ति कथित तौर पर बंदूक लेकर

आया था। उन्होंने कहा कि जब भी कुछ होता है, तो कहा जाता है कि वह व्यक्ति मनोरोगी या मानसिक रूप से अस्थिर है। अभी तक कोई उचित जांच नहीं हुई है। हाल ही की एक घटना का जिक्र करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि करीब छह महीने पहले कालीघाट रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़ की गई थी। उन्होंने दावा किया कि एक राजनीतिक दल, जो अक्सर उनके लिए परेशानी खड़ी करता है, के सदस्यों ने कैमरों को बंद करवाने के लिए लोगों को भेजा था। उनके अनुसार, स्थानीय निवासियों ने हस्तक्षेप किया और इसमें शामिल लोगों को पकड़ लिया। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें इस मामले में की गई किसी भी कार्रवाई की जानकारी नहीं है और उन्होंने पुलिस की ओर से लापरवाही का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने अपनी निजी सुरक्षा को लेकर जताई जा रही चिंताओं का भी जवाब दिया। गृह विभाग का प्रभार संभालते हुए उन्होंने कहा कि वे अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देतीं। बनर्जी ने कहा कि मुझे अपनी चिंता नहीं हैय मुझे दूसरों की चिंता है।" उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने कभी बुलेटप्रूफ गाड़ी का इस्तेमाल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी बुलेटप्रूफ कार पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को सौंप दी थी और फिलहाल वे पार्टी की स्कॉर्पियो में सफर करती हैं।

"नशा मुक्त भारत - स्वस्थ आहार अपनाएँ, स्वस्थ जीवन जीएँ" थीम पर मिनी मैराथन का आयोजन

18 फरवरी की 'सूफी म्यूजिकल नाइट' रहेगी विशेष आकर्षण

विजडम इंडिया। देहरादून।

रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित 'सुभारती महोत्सव 2026' के अंतर्गत आज ऊर्जा, उत्साह और रचनात्मकता से परिपूर्ण वातावरण में विभिन्न साहित्यिक, खेल एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। परिसर में सुबह से ही विद्यार्थियों के भीतर सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और अनुशासन की झलक स्पष्ट दिखाई दी।

प्रातः आयोजित मिनी मैराथन इस वर्ष विशेष संदेश के साथ

संपन्न हुई। इसकी थीम रही कृ "नशा मुक्त भारत कृ स्वस्थ आहार अपनाएँ, स्वस्थ जीवन जीएँ"। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को नशामुक्ति के प्रति जागरूक करना तथा संतुलित जीवनशैली और स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित करना था।

मैराथन को कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उनके साथ प्रति कुलपति एवं ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. देश दीपक, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर डॉ. रवींद्र प्रताप सिंह तथा स्थानीय पुलिस अधिकारी श्री पी.एस नेगी उपस्थित रहे। सभी गणमान्य अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए स्वस्थ और अनुशासित जीवन अपनाने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने खेल भावना के साथ बढ़–चढ़कर भाग लिया और पूरे उत्साह से दौड़ पूर्ण की।

मिनी मैराथन में बालक वर्ग में बी. फार्मा प्रथम वर्ष के अमन धीमान, बीएमएलटी द्वितीय वर्ष के तौसीम तथा जीएनएम प्रथम वर्ष के सुजीत कुमार ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वहीं बालिका वर्ग में

बीओपीटी प्रथम वर्ष की नंदनी बिष्ट, एमपीटी द्वितीय वर्ष की अंजलि यादव और बी.एससी नर्सिंग तृतीय वर्ष की लबसांग रोमा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

साहित्यिक प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। वाद–विवाद प्रतियोगिता में अंशुमान, कियान और सिमरन की तार्किक प्रस्तुतियाँ सराही गईं। स्लोगन लेखन में बीएफए प्रथम वर्ष की स्नेहा मित्तल और बीएनवाईएस चतुर्थ वर्ष के पवांदीप की रचनात्मक सोच प्रशंसनीय रही, जबकि खुशी शर्मा ने भी प्रभावी अभिव्यक्ति से विशेष स्थान प्राप्त किया। एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में किरण कुनियाल और आशिफ ने आत्मविश्वासपूर्ण वक्तृत्व से दर्शकों की सराहना अर्जित की, वहीं उत्तम कुमार एवं गुंजन की संयुक्त प्रस्तुति ने सभागार को तालियों से गुंजायमान कर दिया।

फेस पेंटिंग, इंडियन फोक आर्ट, मेहंदी, डीआईवाई क्राफ्ट और वॉल ग्रैफिटी जैसी गतिविधियों में विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। फाइन आर्ट्स कॉलेज और मल्टी पर्पज हॉल दिनभर रचनात्मक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बने रहे।

कुलपति डॉ. ऐरन ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह महोत्सव विश्वविद्यालय एवं सुभारती समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अतुल कृष्ण के राष्ट्रवादी चिंतन, विकासोन्मुख दृष्टिकोण और आधुनिक शिक्षा के विजन को साकार करता है। उनके मार्गदर्शन में सुभारती समूह शिक्षा को राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक संरक्षण और तकनीकी उन्नति से जोड़ने का सतत प्रयास करता रहा है।

'सुभारती महोत्सव 2026' खेल, साहित्य और कला के माध्यम से राष्ट्रशक्ति, वैचारिक समृद्धि और सांस्कृतिक चेतना का समन्वय प्रस्तुत कर रहा है।

महोत्सव के अंतर्गत 18 फरवरी सायं 7 बजे आयोजित होने वाली 'सूफी म्यूजिकल नाइट' इस वर्ष का विशेष आकर्षण रहेगी। अंतरराष्ट्रीय कलाकार सनावर अली खान एवं मोहम्मद शारुख अपनी सूफियाना प्रस्तुतियों से मुख्य मंच पर संगीतमय वातावरण सृजित करेंगे। यह संध्या विश्वविद्यालय परिवार एवं शहरवासियों के लिए यादगार सिद्ध होने की संभावना है।

ज्ञान, संस्कृति, खेल और आधुनिक सोच का समन्वय प्रस्तुत करता 'सुभारती महोत्सव 2026' आगामी दिनों में फैशन शो, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ और भी रंगारंग रूप में आगे बढ़ेगा।

आईआईएम लखनऊ की रिपोर्ट में 'टेंपल इकानमी माडल' की सराहना, अयोध्या में आर्थिक पुनर्जागरण का दावा

लखनऊ, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर आगे बढ़ाए गए 'टेंपल इकॉनमी मॉडल' को भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ की एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट में महत्वपूर्ण बताया गया है। "इकॉनमिक रेनेसांस ऑफ अयोध्या" शीर्षक से जारी अध्ययन में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद आर्थिक गतिविधियों, निवेश प्रवाह और रोजगार सृजन में तेजी का उल्लेख किया गया है।रिपोर्ट में मंदिर निर्माण से पहले और बाद की परिस्थितियों का तुलनात्मक विश्लेषण करते हुए कहा गया है कि धार्मिक अवसंरचना यदि सुविचारित नीति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ जुड़ जाए, तो वह क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाला उत्प्रेरक बन सकती है। अध्ययन के अनुसार 2017 के बाद राज्य सरकार द्वारा मंदिर निर्माण के साथ आधुनिक आधारभूत ढांचे के विकास ने अयोध्या की आर्थिक दिशा को नई गति दी।अध्ययन में बताया गया है कि मंदिर निर्माण से पूर्व अयोध्या की अर्थव्यवस्था मुख्यतः पारंपरिक तीर्थ गतिविधियों तक सीमित थी। आगंतुकों की वार्षिक संख्या लगभग 1.7 लाख के आसपास रहती थी, स्थानीय दुकानदारों की औसत दैनिक आय घ्400दृघ्500 तक सीमित थी और बड़े होटल ब्रांडों की उपस्थिति लगभग नगण्य थी। कनेक्टिविटी के सीमित साधन और रोजगार के कम अवसरों के कारण युवाओं का पलायन सामान्य बात थी। रियल एस्टेट बाजार में भी ठहराव की स्थिति थी।रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। पहले छह महीनों में 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन का उल्लेख करते हुए अध्ययन में कहा गया है कि अब वार्षिक स्तर पर 5दृ6 करोड़ आगंतुकों की संभावना जताई जा रही है। लगभग घ्85,000 करोड़ की पुनर्विकास परियोजनाएं विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, आधुनिक रेलवे स्टेशन, विस्तारित सड़क नेटवर्क और नगर सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों को आर्थिक विस्तार का आधार बताया गया है। सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देते हुए अयोध्या को मॉडल सोलर सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयासों का भी उल्लेख किया गया है।रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 तक उत्तर प्रदेश में पर्यटन व्यय घ्4 लाख करोड़ से अधिक होने का अनुमान है, जिसमें अयोध्या की महत्वपूर्ण भूमिका मानी गई है। पर्यटन आधारित गतिविधियों से घ्20,000दृघ्25,000 करोड़ तक कर राजस्व का अनुमान व्यक्त किया गया है। आतिथ्य, निर्माण, परिवहन और सेवा क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि दर्ज की गई है और अयोध्या को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभरता हुआ बताया गया है।अध्ययन में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के हवाले से यह भी उल्लेख है कि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर देशभर में घ्1 लाख करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ। 150 से अधिक नए होटल और होमस्टे स्थापित होने तथा प्रमुख होटल श्रृंखलाओं द्वारा निवेश योजनाएं घोषित किए जाने का जिक्र किया गया है। ऑनलाइन बुकिंग में कई गुना वृद्धि और स्थानीय हस्तशिल्प व धार्मिक स्मृति–चिह्नों की मांग बढ़ने से कारीगरों को लाभ मिलने की बात कही गई है।रिपोर्ट के अनुसार लगभग 6,000 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम या तो नए रूप में स्थापित हुए हैं या क्षेत्र में लौटे हैं। अगले चार से पांच वर्षों में पर्यटन वृद्धि के चलते करीब 1.2 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन का अनुमान जताया गया है। छोटे व्यापारियों की दैनिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि और मंदिर क्षेत्र के आसपास संपत्ति मूल्यों में कई गुना बढ़ोतरी का भी उल्लेख किया गया है।अध्ययन में निष्कर्ष दिया गया है कि धार्मिक विरासत आधारित विकास मॉडल यदि दीर्घकालिक दृष्टि, निवेश और प्रशासनिक समन्वय के साथ लागू किया जाए, तो वह क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन ला सकता है। अयोध्या का उदाहरण दर्शाता है कि आस्था आधारित परियोजनाएं योजनाबद्ध क्रियान्वयन के माध्यम से पर्यटन, रोजगार और निजी निवेश को गति देकर बहुस्तरीय आर्थिक विकास का आधार बन सकती हैं।

फर्जी एटीएस अधिकारी बनकर 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर 90 लाख की ठगी, तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार

लखनऊ(आरएनएस)। साइबर क्राइम थाना कमिश्नरेट लखनऊ ने स्वयं को एटीएस अधिकारी बताकर 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर 90 लाख रुपये की ठगी करने वाले तीन शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में अपराध संख्या 23ध्2026 धारा 318(4), 319(2) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 66(डी) सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।पीड़ित पक्ष के अनुसार 26 जनवरी 2026 को वादी की पत्नी वीना बाजपेयी के मोबाइल पर स्वयं को एटीएस मुख्यालय में तैनात इंस्पेक्टर बताने वाले व्यक्ति का फोन आया। कॉलर ने आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर मामलों में संलिप्तता का आरोप लगाकर गिरफ्तारी की धमकी दी। इसके बाद उन्हें सिग्नल ऐप डाउनलोड कर संपर्क में रहने को कहा गया। दूसरे व्यक्ति ने स्वयं को एटीएस अधिकारी बताते हुए कथित जांच, सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश और सीजर दस्तावेज दिखाकर विश्वास दिलाया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए खातों की धनराशि सत्यापन हेतु निर्दिष्ट बैंक खातों में ट्रांसफर करनी होगी।भय और मानसिक दबाव में 29 जनवरी से 9 फरवरी 2026 के बीच आरटीजीएस के माध्यम से विभिन्न खातों में कुल लगभग 90 लाख रुपये स्थानांतरित करा लिए गए। इसके बाद आरोपियों ने 11 लाख रुपये और मांगे तथा असमर्थता जताने पर धमकी दी। जांच में स्पष्ट हुआ कि सुनियोजित तरीके से डिजिटल माध्यमों से लगातार संपर्क रखकर पीड़ित को मानसिक रूप से बंधक बनाकर यह ठगी की गई।पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देशन में संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय), पुलिस उपायुक्त (अपराध) और सहायक पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई। जांच के दौरान मयंक श्रीवास्तव, इरशाद और मनीष कुमार उर्फ आकाश को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में मयंक ने बताया कि आर्थिक तंगी के चलते वह गिरोह के संपर्क में आया और कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता उपलब्ध कराया। उसे दिल्ली और नोएडा के होटलों में ठहराकर उसके मोबाइल और बैंक दस्तावेजों का उपयोग साइबर फ्रॉड के लेन–देन में किया गया। इरशाद ने स्वीकार किया कि वह खाताधारकों को कमीशन का लालच देकर उनके खाते, चेकबुक और डेबिट कार्ड हासिल करता था। मनीष उर्फ आकाश ने भी गिरोह के लिए काम करने और कमीशन लेने की बात स्वीकार की। जांच में संबंधित खाते में 9 फरवरी 2026 को 1 करोड़ 6 लाख 30 हजार रुपये की संदिग्ध धनराशि आने की पुष्टि हुई, जिसकी शिकायतें एनसीसीआरपी पोर्टल पर तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों से दर्ज पाई गईं।

गिरोह 'डिजिटल अरेस्ट' मॉडल के तहत खुद को पुलिस, सीबीआई या अन्य एजेंसी का अधिकारी बताकर कॉल करता था, गंभीर अपराधों में फंसाने की धमकी देता था और डराकर बड़ी रकम ट्रांसफर कराता था। पहली परत के खाते में रकम जमा कर बाद में उसे अन्य खातों में बांट दिया जाता था। पहचान छिपाने के लिए व्हाट्सएप कॉल, फर्जी नाम और अलग–अलग शहरों के होटलों का उपयोग किया जाता था।पुलिस ने तीन मोबाइल फोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक की चेकबुक तथा एक डेबिट कार्ड बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मयंक श्रीवास्तव निवासी गोरखपुर, इरशाद निवासी गाजियाबाद और मनीष कुमार उर्फ आकाश निवासी दिल्ली शामिल हैं।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस का विधानसभा घेराव, लाठीचार्ज और गिरफ्तारी

लखनऊ(आरएनएस)। मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत विधानसभा घेराव के आह्वान पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता राजधानी लखनऊ पहुंचे। पार्टी नेताओं का आरोप है कि कार्यक्रम को रोकने के लिए शासन और प्रशासन ने व्यापक स्तर पर सख्ती बरती। पिछले दो दिनों से कार्यकर्ताओं को नोटिस दिए गए और कई स्थानों पर उन्हें घरों में ही रोकने की कोशिश की गई। इसके बावजूद हजारों की संख्या में कार्यकर्ता प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर लखनऊ पहुंचे।राजधानी में कांग्रेस कार्यालय के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया और बैरिकेडिंग कर कई मार्गों को बंद कर दिया गया। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ता विधानसभा की ओर बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान धक्का–मुक्की और तीखी नोकझोंक की स्थिति बनी। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें अजय राय सहित कई नेता और कार्यकर्ता घायल हुए।प्रदर्शन के दौरान अविनाश पाण्डेय ने कहा कि मनरेगा केवल रोजगार योजना नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। उनके अनुसार कोरोना काल में इस योजना ने प्रवासी श्रमिकों को सहारा दिया और गांवों में आय, अवसंरचना तथा महिला सशक्तिकरण को मजबूती दी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस योजना को कमजोर कर रही है और इसे बचाने के लिए कांग्रेस देशव्यापी अभियान चला रही है।

अजय राय ने कहा कि मनरेगा मजदूरों और गरीबों के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि दमन और लाठीचार्ज से कार्यकर्ता पीछे हटने वाले नहीं हैं और यदि सरकार ने सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन और व्यापक किया जाएगा।कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने कहा कि मनरेगा के माध्यम से महिलाओं को गांव में सम्मानजनक रोजगार मिलता था और इसे कमजोर करना महिला हितों के विपरीत है। उनका कहना था

कि यह योजना ग्रामीण परिवारों को आजीविका सुरक्षा प्रदान करती है।प्रदर्शन के बाद अविनाश पाण्डेय, अजय राय सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर बसों से ईको गार्डन स्थित अस्थायी जेल ले जाया गया। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में भी कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट किए जाने की सूचना है। कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए आंदोलन

निजीकरण के विरोध में 20 फरवरी को प्रदेशव्यापी 'विरोध दिवस', आंदोलन के 450 दिन पूरे

लखनऊ(आरएनएस)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर निजीकरण एवं उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों के विरोध में चल रहे आंदोलन के 450 दिन पूर्ण होने के अवसर पर आगामी 20 फरवरी को प्रदेश भर में बिजली कर्मियों द्वारा "विरोध दिवस" मनाया जाएगा।संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि विरोध दिवस के दौरान सभी ऊर्जा निगमों के नियमित कर्मचारी, संविदा कर्मी, जूनियर इंजीनियर तथा अभियंता भोजनावकाश अथवा कार्यालय समय के उपरांत अपने–अपने जनपदों, परियोजनाओं और कार्यस्थलों पर शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी विरोध प्रदर्शन करेंगे।संघर्ष समिति ने पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन से मांग की है कि जब प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा ने विधानसभा में राज्य की विद्युत व्यवस्था में व्यापक सुधार और 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति का उल्लेख किया है, तो प्रबंधन को निजीकरण की प्रक्रिया पर पुनर्विचार करते हुए इसे तत्काल निरस्त करना चाहिए। समिति का कहना है कि इससे ऊर्जा निगमों में सकारात्मक कार्य वातावरण स्थापित हो सकेगा।समिति ने आरोप लगाया कि निजीकरण के विरोध में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे बिजली कर्मियों के विरुद्ध उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियाँ की जा रही हैं, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। हालांकि आंदोलन के दौरान उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है और भविष्य में भी उपभोक्ता हितों को साथ लेकर ही आंदोलन संचालित किया जाएगा।संघर्ष समिति ने कहा कि यदि प्रबंधन वास्तव में विद्युत व्यवस्था में सुधार और बेहतर सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध है, तो निजीकरण की प्रक्रिया समाप्त कर कर्मचारियों को विश्वास में लिया जाए।

हांगकांग से 350 जैन श्रद्धालु पहुंचे प्रयागराज

संगम में डुबकी लगाई, महापौर ने किया अभिनंदन

प्रयागराज। संगम नगरी में मंगलवार को भारतीय आध्यात्मिक परंपरा की वैश्विक स्वीकार्यता का एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। हांगकांग से आए लगभग 350 जैन श्रद्धालुओं का एक जत्था अक्षय वट स्थित प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) की तपोस्थली और उनकी प्राचीन चरण पादुका के दर्शन हेतु प्रयागराज पहुंचा।इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने विदेशी मेहमानों और श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत कर श्अतिथि देवो भवःश की परंपरा को चरितार्थ किया। हांगकांग से आए इन श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम के पवित्र जल में स्नान–पूजन किया और आध्यात्मिक शांति की अनुभूति साझा की। श्रद्धालुओं का कहना था कि भगवान आदिनाथ की चरण पादुका और उनकी तपोस्थली के दर्शन करना उनके जीवन का दुर्लभ सौभाग्य है। अक्षय वट की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता ने उनकी इस तीर्थयात्रा को अविस्मरणीय बना दिया है।संगम क्षेत्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान महापौर गणेश केसरवानी ने सभी तीर्थयात्रियों का पारंपरिक ढंग से अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रयागराज सदियों से विविध आस्थाओं और संस्कृतियों का संगम रहा है। हांगकांग से आए जैन श्रद्धालुओं का यहाँ आगमन सिद्ध करता है कि भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी पूरे विश्व को शांति, संयम और नैतिक मूल्यों की दिशा दिखा रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं को आश्वस्त किया कि नगर निगम और स्थानीय प्रशासन उनकी सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि महापौर ने आगे कहा कि भारत की आध्यात्मिक विरासत आज भी पूरे विश्व को शांति, संयम और नैतिक मूल्यों की दिशा दिखा रही है।

अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ स्वामी एक और परिवाद दाखिल

आशुतोष महाराज ने लगाया धार्मिक यात्रा पर हमले का आरोप

प्रयागराज। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुख्य वादी व पक्षकार आशुतोष महाराज के बीच विवाद लगातार गहराता जा रहा है। आशुतोष महाराज ने अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के खिलाफ प्रयागराज जिला अदालत में एक और परिवाद दाखिल किया है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कक्ष संख्या–5 के न्यायाधीश संदीप पारचा ने परिवाद स्वीकार करते हुए विपक्षियों को नोटिस जारी करने और वादी का बयान दर्ज करने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च को निर्धारित की गई है।ज्ञात हो कि इससे पहले आशुतोष महाराज ने प्रयागराज के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (रेप एवं पाक्सो विशेष न्यायालय) में वाद दायर कर यौन शोषण समेत अन्य गंभीर आरोप लगाए थे। इस मामले में 21 फरवरी को आदेश जारी होना है।वहीं, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने भी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ मानहानिकारक बयान और डिजिटल दुष्प्रचार का आरोप लगाते हुए कैराना की अदालत में परिवाद दायर किया था।आशुतोष महाराज ने अपने परिवाद में धारा 173(4) बीएनएसएस का हवाला देते हुए कहा– श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति शिविर, सेक्टर–6, संगम लोवर मार्ग, हरीशचंद्र चौराहा, प्रयागराज (माघ मेला–2026) में माता शाकुंभरी देवी का अनुष्ठान एवं महायज्ञ 3 जनवरी से चल रहा था।मौनी अमावस्या पर 18 जनवरी को माघ मेला क्षेत्र प्रयागराज में श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें श्री कृष्ण जन्मभूमि वाद के वादी संख्या–6 भगवान केशवदेव महाराज (लड्डू गोपाल जी) की पटरानी माता यमुना देवी के मिलन हेतु यात्रा श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति शिविर से प्रारंभ हुई। आरोप है कि जैसे ही यात्रा त्रिवेणी मार्ग स्थित अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर के पास पहुंची, विपक्षियों ने सार्वजनिक मार्ग पर कथित रूप से अवैध जाम लगा दिया। इससे धार्मिक यात्रा और आम आवागमन बाधित हुआ।

घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक घर का ताला तोड़कर नकदी और लाखों के जेवर चुरा लिए। यह परिवार मुंबई में रहता है और कुछ दिन पहले ही गांव आया था।प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के सराय जोधराय गांव निवासी शिव कुमारी गुप्ता अपने पति रामदुलार गुप्ता के साथ मुम्बई में रहती हैं। उनके तीन बच्चे हैं, जो सभी शादीशुदा हैं और मुंबई में अपना कारोबार करते हैं। शिव कुमारी अपने पिता की इकलौती संतान हैं। शिव कुमारी अपने चचेरे भाई विश्वनाथ गुप्ता की बीमारी की खबर सुनकर दो दिन पहले ही मुंबई से गांव आई थीं। सोमवार रात खाना खाने के बाद वह अपने भाई के घर सोने चली गईं। मंगलवार सुबह जब वह अपने घर लौटीं, तो उन्होंने दरवाजे का ताला टूटा पाया।घर के अंदर जाकर देखने पर शिव कुमारी के होश उड़ गए। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारियों और संदूकों के ताले तोड़कर उनमें रखे पैसे और गहने चुरा लिए थे।चोरी की सूचना मिलते ही गांव में भीड़ जमा हो गई। तत्काल मऊआइमा पुलिस को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद से छानबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया। इस संबंध में एसीपी फूलपुर विवेक यादव ने बताया कि चोरी की सूचना मिली है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा और तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आकाश प्रयागराज के स्टूडेंट्स ने जेईई मेन 2026 में चमक दिखाई

अरुणव वेदांत अग्रहरी 99.96 परसेंटाइल के साथ सबसे आगे

प्रयागराज। प्रयागराज के आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के स्टूडेंट्स ने एक बार फिर जेईई मेन 2026 (सेशन 1) में शानदार परफॉर्मेंस दी है, जो इस इलाके की लगातार एकेडमिक एक्सीलेंस को दिखाता है।16 फरवरी को जारी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के नतीजों के मुताबिक, प्रयागराज के आकाश इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने जेईई मेन 2026 में शानदार परफॉर्मेंस दी।अरुणव वेदांत अग्रहरी ने शानदार 99.96 परसेंटाइल के साथ ग्रुप में सबसे आगे रहे, उसके बाद आकर्ष माहेश्वरी ने 99.85 परसेंटाइल और अनुपम पाल ने 99.78 परसेंटाइल हासिल किए। उस्मान नूर ने 99.75 परसेंटाइल हासिल किए, जबकि आयुष ने 99.67 परसेंटाइल हासिल किए।आर्यन मिश्रा ने 99.55 परसेंटाइल और वेदांश राज श्रीवास्तव ने 99.45 परसेंटाइल हासिल किए। प्रत्यय मिश्रा ने 99.41 परसेंटाइल और अखंड प्रताप सिंह ने 99.37 परसेंटाइल हासिल किए। अमीषी मिश्रा ने 99.24 परसेंटाइल और तनुश वर्मा ने 99.05 परसेंटाइल हासिल किए। राजित सिंह ने 98.58 परसेंटाइल और अधीप श्रीवास्तव ने 98.53 परसेंटाइल हासिल किए, जो जेईई मेन 2026 में प्रयागराज सेंटर की शानदार ओवरऑल परफॉर्मेंस को दिखाता है।स्टूडेंट्स की कामयाबी पर कमेंट करते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक धनंजय कुमार मिश्रा, ने कहा कि प्रयागराज के हमारे स्टूडेंट्स के शानदार रिजल्ट्स एकेडमिक्स के प्रति उनके कमिटमेंट के साथ–साथ आकाशएजुकेशनल इकोसिस्टम की मजबूती का सबूत हैं। हमें उनकी कड़ी मेहनत पर बहुत गर्व है और हम उनकी कामयाबी के लिए उन्हें बधाई देते हैं।

अबार्शन में हालत बिगड़ने पर प्रेमिका को छोड़कर भागा प्रेमी

वेंटिलेटर पर 20 साल की प्रेमिका, तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। फाफामऊ थाना क्षेत्र में 20 साल की एक लड़की गर्भवती हो गई। गर्भपात कराने के लिए उसका प्रेमी लड़की को झोलाझाप डॉक्टर के पास ले गया। यहां गर्भपात के दौरान लड़की हालत बिगड़ने लगी। लड़की की हालत बिगड़ती देखकर प्रेमी मौके से भाग गया। बाद में घरवाले लड़की को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर उसकी जान बचाई। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को प्रेमी रविराज और झोलाछाप समेत तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पूरा मामला फाफामऊ थाना क्षेत्र का है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फाफामऊ थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले युवक ने पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर में युवक ने बताया कि रविराज मेरे घर आया–जाया करता था। इस दौरान ही मेरी बहन से नजदीकी बढ़ा ली थी। दोनों मिलने–जुलने लगे थे। इसी दौरान बहन गर्भवती हो गई।10 फरवरी को अचानक पेट में तेज दर्द होने लगा, तो उसने फोन से इसकी जानकारी रविराज को दी। रविराज ने उसे सोरांव बुलाया। कहा कि वह परिचित डॉक्टरों से इलाज करवा देगा। इसके बाद युवती को होलागढ़ के बारादरी बाजार स्थित एक निजी क्लीनिक में ले गया। यहां डॉक्टर सत्येंद्र पटेल और डॉक्टर राहुल पटेल ने जांच के बाद दवा दी। भाई का आरोप है कि दवा देने के कुछ ही देर बाद बहन की हालत बिगड़ गई। इसके बाद रविराज उसे छोड़कर भाग गया।हालत गंभीर होने पर इसकी सूचना लड़की के परिजनों को मिली। मौके पर पहुंचे परिजन लड़की को सोरांव के एक अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने बताया कि युवती का गर्भपात कराया गया है और उसकी स्थिति बेहद नाजुक है। इसके बाद उसे एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच के बाद पता चला कि युवती 4 महीने की प्रेग्नेंट थी। असुरक्षित तरीके से अबॉर्शन करने के दौरान ही उसकी बच्चेदानी पूरी तरह डैमेज हो गई और आंतों का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। उसे 10 फरवरी की रात में स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में भर्ती कराया गया, जहां आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है। फाफामऊ थाना अध्यक्ष अश्वनी कुमार सिंह के मुताबिक, युवती के प्रेमी रविराज, डॉक्टर सत्येंद्र पटेल और डॉक्टर राहुल पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिस क्लीनिक में कथित तौर पर अबॉर्शन कराया गया, वहां ताला लटका मिला। संचालक फरार बताया जा रहा है। पुलिस टीमें आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

माघ मेला में बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। माघ मेला में संगम अपर मार्ग पर महावीर चौराहा स्थित सेक्टर एक नागा संत शिरोमणि सती अनुसुइया आश्रम चित्रकूट धाम के शिविर में बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन संगोष्ठी मंगलवार को भावना अमावस्या पर आयोजित की गई। राष्ट्रीय संगोष्ठी में साधु संतों ने अपने विचार व्यक्त किए।नागा संत दामोदरदास महाराज ने कहा कि भारत में इस्लामी गतिविधियां संचालित करने वालों को देश से निकलने का काम साधु संत करेंगे। कहा कि भारत में बाल भिक्षावृत्ति अभिशाप बना हुआ है। इसके उन्मूलन को भारत सरकार द्वारा कानून बनाया गया है। उसका पालन नहीं हो रहा है। हम साधु संतों को एक होकर भारत के उज्जवल भविष्य को बचाना है। बिना साधु संतों के सनातन धर्म की अगुवाई करने से यह पूर्ण रूप से बंद नहीं होगा। परिवर्तन संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मोनू गुप्ता ने कहा कि आज हम लोग अपने बच्चों को पढ़ने लिखने के लिए अच्छी शिक्षा देने का कार्य करते हैं। अगर हम लोग बच्चों का भविष्य बदलने का संकल्प लें तो भारत से बाल भिक्षावृत्ति पूर्ण रूप से बंद होगी। हम लोगों के सामूहिक प्रयास और जन जागरूकता से ही इस श्राप से मुक्ति मिलेगी। संगोष्ठी के बाद माघ महोत्सव विदाई समारोह और भंडारा प्रसाद वितरण किया गया। समापन पर पूज्य संत दामोदर दास महाराज ने कहा कि माघ मेला एक महीने का होता है। साधु संत आते हैं लेकिन कभी भी सामूहिक प्रयास नहीं करते हैं कि मां गंगा को प्रदूषण मुक्त और बाल भिक्षा को समूल रूप से खत्म किया जाए।

एस पी ने किया बन्धुआकला थाने पर औचक निरीक्षण,माफियाओं पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश--

सुल्तानपुर ।पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने थाना बन्धुआकला का औचक निरीक्षण कर पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला हेल्प डेस्क,कार्यालय अभिलेख,हवालात,रिसेप्शन रूम,पुलिस मैस व थाना परिसर का बारीकी से जायजा लिया।एसपी ने महिला हेल्प डेस्क पर पहुंचकर पीड़िताओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण और फीडबैक व्यवस्था की समीक्षा की।मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को जागरूक करने और उनकी शिकायतों पर निष्पक्ष व प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।टॉप 10 अपराधियों व हिस्ट्रीशीटर्स की निगरानी की स्थिति की समीक्षा करते हुए एसपी ने शराब,खनन व भू–माफियाओं के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।अपराध रजिस्टर व त्योहार रजिस्टर का अवलोकन कर आवश्यक सुधार करने को कहा।थाना परिसर में खड़े लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए।पुलिस मैस में भोजन की गुणवत्ता व साफ–सफाई की जांच कर थाना प्रभारी व स्टाफ का कुशलक्षेम भी जाना।साथ ही आगंतुकों के लिए स्वच्छ वातावरण,पेयजल व प्रसाधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा परिसर में वृक्षारोपण व स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश क्षेत्राधिकारी सौरभ सामंत व थाना प्रभारी प्रमोद कुमार को दिए गए।

नगर कोतवाली पुलिस की रात्रि गश्त पर उठे सवाल,डाकखाने चौराहे पर बीती रात हुई लाखों की चोरी--

सुल्तानपुर ।बीती रात डाकखाने चौराहे पर स्थित बैद्यनाथ एजेंसी पर चोरों ने लाखों रुपए के माल पर हाथ साफ कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात लगभग 3 बजे के आसपास दुकान का शटर काटकर सामने के रास्ते से घुसे और दुकान में रखा कैश लगभग ₹300000 उड़ा ले गए।चोरी की सूचना जैसे ही एजेंसी के प्रोपराइटर दिनेश मिश्रा दुकान पर पहुंचे। सुबह होते ही दुकान पर पहुंचे लोगों ने बताया कि शटर को किनारे से काटकर दुकान के अंदर घुस गए और चोरी घटना को अंजाम दिया।200 मीटर की दूरी पर शाहगंज पुलिस चौकी है और पुलिस अधीक्षक का कार्यालय लगभग 100 मीटर की दूरी पर ही स्थित है। डाकखाना चौराहा बहुत व्यस्तम इलाका है।चौराहे पर सामने से शटर को काटकर दुकान के अंदर घुसकर चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया गया है।

संशोधित शासनादेश से होगी ईसीसीई एजुकेटर साक्षात्कार एवं भर्ती

भारत सरकार द्वारा विकसित जेम एवं श्रम विभाग में प्राविधानित व्यवस्थानुसार कार्यवाही की जाएगी, शासनादेश जारी।सुलतानपुर। ईसीसीई एजुकेटर में साक्षात्कार अब भारत सरकार द्वारा विकसित जेम पोर्टल से श्रम विभाग द्वारा प्राविधानित व्यवस्थानुसार की जाएगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि 09 फरवरी 2026 को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संशोधित शासनादेश जारी किया गया हैं। संशोधित शासनादेश में चयन प्रक्रिया को भारत सरकार द्वारा विकसित जेम पोर्टल से श्रम विभाग द्वारा प्राविधानित व्यवस्थानुसार कार्यवाही कराने का आदेश दिया गया हैं। क्या कहता है शासनादेश जनपद में कुल 290 पदों पर नियुक्ति होनी हैं। कुल पद से तीन गुना अभ्यर्थियों को कंप्यूटर रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया से शार्टलिस्ट कर साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा जिसमें किसी भी तरह का मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा। सेवायोजन पोर्टल पर कुल 4800 अभ्यर्थियों के आवेदन प्राप्त हुए हैं जिसमें सेवायोजन पोर्टल से कंप्यूटर रेंडमाइजेशन प्रक्रिया द्वारा अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा।

प्यार कच्चा घड़ा नहीं होता, कोई छोटा बड़ा नहीं होता,

जौनपुर(आरएनएस)। संस्था कोशिश के वार्षिक समारोह के अवसर पर तिलकधारी महिला कॉलेज परिसर में कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का श्री गणेश दीप प्रजनन एवं डॉ. नरेंद्र पाठक द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ शायर अहमद निसार ने किया, जबकि डॉ. अरुण कुमार सिंह पूर्व प्राचार्य टी.डी. कॉलेज समारोह में मुख्य अतिथि रहे। प्रारंभ में कोशिश संस्था द्वारा प्रकाशित मंजरी नामक काव्य संग्रह का विमोचन किया गया, जो उपस्थित श्रोताओं के लिए कौतूहल का विषय रहा। कवि जनार्दन प्रसाद अस्थाना के कहानी संग्रह प्रायश्चित एवं आनंद राय द्वारा रचित रूठ गया स्नेहल संचित मन नामक काव्य संग्रह का भी विमोचन हुआ। आमंत्रित कवियों एवं उपस्थित श्रोताओं का स्वागत प्रो. आर. एन. सिंह ने किया। संस्था के उद्देश्यों पर संस्था अध्यक्ष जनार्दन प्रसाद अस्थाना ने प्रकाश डाला एवं अतिथियों के सम्मान में अशोक कुमार मिश्रा ने अपने उद्गार व्यक्त किया। वरिष्ठ जनों डा. एम. पी. सिंह, डॉ. एस. बी. सिंह, डा. अंबिकेश्वर सिंह, डॉ. राम मोहन सिंह, डॉ, ओम प्रकाश सिंह, डॉ, अजय कुमार दुबे, रामकृष्ण त्रिपाठी एवं पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह आदि को सम्मानित भी किया गया।प्रारंभिक सत्र के पश्चात गीत, गजल एवं कविताओं का जो प्रवाह प्रारंभ हुआ वह सायंकाल तक चलता रहा। मिर्जापुर से पधारे लल्लू तिवारी का शेर प्यार कच्चा घड़ा नहीं होता, कोई छोटा बड़ा नहीं होता, पर खूब तालियां बजी। मऊ से पधारे कवि डॉ. ईश्वर चंद्र त्रिपाठी की रचना श्जीत जाता हूं हार जाता हूं , रोज करने शिकार जाता हूं सुनकर पूरा हाल वाह– वाह करता रहा। मुक्तेश्वर पाराशर की पंक्तियां श्वकेली यात्राओं में भी मन के गीत पाएंगे, लोगों को खूब पसंद आई। सांप्रदायिक सौहार्द पर पुष्पेंद्र अस्थाना की रचना श्यूं तो जन्नत नहीं जहन्नुम मिलेगा तुमको, नाम मजहब के खून बहाने वालोंश, बहुत सराही गई। विश्वविद्यालय के महाकवि जगदीश पंथी ने जब कहां की श्वड़ा निक लागे ननद तोरा गंगुआं, तो पूरा सभागार मस्ती में झूम उठा और तालियां की गड़गड़ाहट से पूरा हाल गूंजता रहा। प्रो. अनूप वशिष्ठ का शेर , बड़े दिख रहे हैं वे कंधों पर चढ़कर, जो सचमुच बड़े हैं वो झुक कर खड़े हैंश, लोगों के मन को छू गया और और बड़े ही सहज भाव में बड़प्पन को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अरुण कुमार सिंह, पूर्व प्राचार्य ने साहित्य एवं कविता की प्रासंगिकता को रेखांकित किया और इसके योगदान में कोशिश मंच के प्रयासों को खूब सराहा। अध्यक्षता कर रहे हैं अहमद निसार का शेर, बहुत संभाल के धरती पर पांव रखिएगा, हमारे शहर के जर्रे में भी दिल धड़कता है, तहे दिल से सराहा गया और खूब वाह–वाही बटोरी। कवि सम्मेलन के बीच–बीच में कोशिश संस्था से जुड़े तमाम कवियों एवं शायरों, जनार्दन प्रसाद अस्थान, प्रखर जौनपुरी, अशोक मिश्रा, गिरीश श्रीवास्तव, फूलचंद भारती, एस.बी. उपाध्याय, डॉ संजय सिंह सागर, रमेश चंद्र सेठ, अंसार जौनपुरी, अनिल उपाध्याय, नंदलाल समीर, राजेश पांडे, सुमति श्रीवास्तव, ओ. पी. खरे, ओंकार यादव, राम जीत मिश्रा, पहलवान, बृजेश राय, मंजू पांडे, रूपेश साथी आदि अपनी रचनाओं से श्रोताओं का मन जीतने में सफल रहे और सृजन के क्षेत्र में जौनपुर के योगदान का सार्थक परिचय दिया। इसके अतिरिक्त काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कई शोध छात्रों ने गीत और गजलों के सृजन में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया डॉ विमला सिंह, डॉ राम अवतार सिंह, राम दयाल द्विवेदी पत्रकार, संजय सेठ, संजय उपाध्याय, आदि मौजूद रहे। संचालन सभाजीत द्विवेदी प्रखर ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. अंबिकेश्वर सिंह ने किया।

दीनदयाल महाअभियान में कार्यकर्ताओं को मिलेगा प्रशिक्षण

जौनपुर (आरएनएस)। आगामी 7 मार्च से शुरू होने वाले भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय महा प्रशिक्षण अभियान के लिए जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें जिले के प्रतिनिधि और इस अभियान के लिए बनाई गई तीन कार्यकर्ताओं की टोली ने हिस्सा लिया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की और मुख्य अतिथि पूर्व सांसद डॉ0 के पी सिंह रहे। कार्यशाला के लिए जिले के सभी पदाधिकारी मण्डल अध्यक्ष मंडल प्रभारी और सह प्रभारी के साथ–साथ सभी मण्डल स्तर पर बनाई गई तीन सदस्य प्रशिक्षक टोली भी हिस्सा लिया वहीं प्रत्येक मण्डल से एक महामंत्री और एक महिला अधिकारी को भी प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य किया गया है जिन्हें विश्व के सबसे बड़े प्रशिक्षण अभियान के लिए प्रशिक्षित किया गया इसके बाद प्रशिक्षण लेने वाले सभी प्रशिक्षु प्रशिक्षक के तौर पर सभी मण्डल में प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे। मंगलवार सुबह से ही प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन शुरू हुआ जिसमें जिले से आई सभी टीम को केंद्र से देहरादून पहुंची प्रशिक्षण अभियान की टोली के एक सदस्य पीपीटी के माध्यम से पूरे दिन प्रशिक्षण दिया गया। पूर्व सांसद के पी सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से एक कार्यकर्ता आधारित पार्टी रही है जिसमें कार्यकर्ता केवल चुनाव लड़ने और सत्ता में आने के लिए ही पार्टी में काम नहीं करते हैं बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए भारतीय जनता पार्टी में काम करता है और क्योंकि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है तो उसमें लगातार कार्यकर्ताओं तक उनके कर्तव्य और उद्देश्य को पहुंचाने के लिए समय–समय पर प्रशिक्षण अभियान चलाए जाते हैं और इसी के तहत एक बार फिर प्रशिक्षण महा अभियान देशभर में हो रहा है जिसके लिए हमारी कार्यशाला आयोजित होनी है।

शिवरात्रि पर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ, आचार्य नरोत्तम शास्त्री ने शिव परिवार को बताया आदर्श--

बल्दीराय,सुल्तानपुर ।महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर क्षेत्र में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ कथा व्यास आचार्य श्री नरोत्तम शास्त्री द्वारा किया गया। कथा के प्रथम दिवस उन्होंने भगवान शिव के चरित्र, तप, त्याग और पारिवारिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि शिवजी का जीवन संपूर्ण विश्व के कल्याण और मानव जीवन के लिए सर्वोच्च शिक्षा प्रदान करता है।कथा व्यास ने माता पार्वती के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि विवाह से पूर्व माता पार्वती द्वारा की गई कठोर तपस्या के फलस्वरूप उन्हें भगवान शिव पति रूप में प्राप्त हुए। विवाह के उपरांत भी माता पार्वती ने सत्संग और धर्ममय जीवन को अपनाया, जिसका फल यह हुआ कि उन्हें गणेश और कार्तिकेय जैसे तेजस्वी एवं लोककल्याणकारी पुत्र प्राप्त हुए।आचार्य नरोत्तम शास्त्री ने बताया कि भगवान गणेश समस्त देवताओं में अध्यक्ष पद पर विराजमान हैं, उनकी पत्नी ऋद्धि–सिद्धि हैं तथा उनके पुत्र लाभ और क्षेम हैं। यह संकेत देता है कि भगवान शिव का

परिवार संपूर्ण देव समाज में एक आदर्श परिवार के रूप में प्रतिष्ठित है, जिसका मूल उद्देश्य मानव जीवन को उत्तम संस्कार, संयम और सदाचार की प्रेरणा देना है।कथा आयोजन में मुख्य यजमान के रूप में प्रतापनारायण शुक्ला, त्रिलोकीनाथ शुक्ल, विशाल शुक्ला, अशोक शुक्ला, राजेश शुक्ला, अवधेश शुक्ला, मनीष शुक्ल, लालजी तिवारी, प्रियव्रत शुक्ला, रबीश शुक्ला, लालमणि शुक्ला सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।इंदौर से पधारे कथा प्रेमी शोभा शर्मा, धन्नालाल शर्मा, राधेश्याम सेठ, मधु सेठ सहित सैकड़ों श्रोताओं ने कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।शिवरात्रि के इस पावन अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

अतिक्रमण हटाओ अभियान में 6 दुकानदारों पर कार्रवाई, 5500 रुपये जुर्माना

सुलतानपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत सोमवार को नगर क्षेत्र में व्यापक कार्रवाई की गई। अधिशासी अधिकारी लालचंद्र सरोज के नेतृत्व में पुलिस विभाग एवं नगर पालिका की संयुक्त टीम ने मुख्य मार्गों और पटरी क्षेत्रों में सघन अभियान चलाया।अभियान के दौरान मुख्य बाजार क्षेत्र अंतर्गत कोतवाली नगर से खैराबाद, जिलाधिकारी आवास होते हुए गभड़िया पुल तक तथा बस स्टॉप से डायवर्जन कोतवाली नगर मार्ग तक सड़क की दोनों पटरीयों पर दुकानों का सामान फैलाकर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया।कार्रवाई के दौरान 6 दुकानदारों व पटरी विक्रेताओं पर कुल 5500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही भारी मात्रा में सामान जब्त करते हुए सड़क और पटरी को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।अधिशासी अधिकारी लालचंद्र सरोज ने बताया कि नगर क्षेत्र के मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान निरंतर जारी रहेगा। पालिका द्वारा वेंडिंग जोन में नियमित रूप से पटरी विक्रेताओं की उपस्थिति की जांच की जा रही है। निर्धारित स्थान पर दुकान न लगाने वाले विक्रेताओं को नोटिस जारी कर आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई भी की जा रही है।उन्होंने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में वेंडिंग जोन के अस्थायी स्थल आवंटन से संबंधित जारी किए गए कोड युक्त पटरी विक्रय प्रमाण पत्रों का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। सभी दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे दुकान के अंदर ही सामान रखें तथा वेंडिंग जोन में ही व्यवसाय करें।अभियान में पालिका के अवर अभियंता सिविता सुभी नीलम, राजस्व निरीक्षक प्रवीन सिंह, अनुज कुमार भारती सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीवानी न्यायालय उड़ाने की धमकी से दहशत
पुलिस का पहरा, परिसर खाली

जौनपुर (आरएनएस)। दीवानी न्यायालय को मंगलवार दोपहर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। जिला जज की आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त संदेश में 17 फरवरी को दोपहर 1 बजे से 2 बजे के बीच गेट नंबर 1 के पास सिविल कोर्ट और पुलिस लाइन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जिसमें लिखा था– पांच से छह मोबाइल नंबरों पर एक–एक लाख रुपये भेजा जाए। नहीं तो कोर्ट को बम से उड़ा दिया जाए। जिसमें सूचना पर जज ने न्यायालय परिसर खाली कराने के निर्देश दिए। जिसके बाद बार एसोसिएशन अध्यक्ष की मदद से परिसर को एहतियातन खाली करा लिया गया। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। पूर्वान्ह 10:30 बजे जिला जज सुशील कुमार शशि को एक ई–मेल प्राप्त हुआ, जिसमें पांच से छह मोबाइल नंबरों पर एक–एक लाख रुपये भेजने की मांग की गई थी। ई–मेल में चेतावनी दी गई थी कि निर्धारित समय के भीतर रकम नहीं भेजी गई तो न्यायालय परिसर को बम से उड़ा दिया जाएगा।धमकी की

सूचना मिलते ही जिला जज ने तत्काल प्रशासनिक आदेश जारी कर न्यायालय परिसर खाली कराने के निर्देश दिए। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र यादव को बुलाकर स्थिति से अवगत कराया गया। इसके बाद अधिवक्ताओं और वादकारियों से परिसर खाली करने की अपील की गई। सहयोग के साथ पूरे न्यायालय परिसर को एहतियातन खाली करा लिया गया। जिला न्यायाधीश ने सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिवक्ताओं एवं वादकारियों की अनुपस्थिति में कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि पुलिस की आधिकारिक ई–मेल पर भी इसी प्रकार की धमकी प्राप्त हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया। न्यायालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। बम निरोधक और डॉग स्क्वाड की टीमों को मौके पर तैनात किया गया है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एहतियातन पूरे परिसर को खाली कराया गया है और पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि अन्य जिलों में भी इस प्रकार की धमकी भरे ई–मेल मिलने की सूचनाएं है। इसको लेकर न्यायालय परिसर में अफरा–तफरी और दहशत का माहौल रहा।

बहनोई को अगवा कर हत्या करने का प्रयास

जौनपुर(आरएनएस)। खुटहन थाना क्षेत्र के मरहट गांव नहर के पास बहनोई को अगवा कर मारने पीटने और मोबाइल रुपया छीनने के बाद सालो ने गमछा से गला दबाकर हत्या करने का किया गया प्रयास।उसका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। पड़ोसी जनपद आजमगढ़ दीदारगंज थाना क्षेत्र के मदार बख्श मोलनापुर गांव निवासी 30 वर्षीय किशन यादव पुत्र राजेंद्र यादव ने आरोप लगाते हुए बताया कि मैं ट्रेलर चलाता हूं। इसलिए कई दिन बाहर रहना पड़ता है। अभी 4 दिन पहले पत्नी शशि कला ने दीदारगंज थाने में जहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए प्रार्थना पत्र दिया था। इसी संबंध में थाना के एक दारोगा ने थाने पर बुलाया था।रविवार को ट्रेलर लेकर मिर्जापुर आया और सोमवार को दीदारगंज थाने पर पहुंचने के लिए जा रहा था। आरोप है कि मेरे साले शशिकांत और ऋषिकांत को थाने पहुंचने की मेरे जानकारी किसी माध्यम से मिल गई और मुझे खेतासराय से अगवा कर खुटहन जाने वाले मार्ग की तरफ से ले जाकर खुटहन थाना क्षेत्र के मरहट नहर के पास ले जाकर दोनों ने मेरा बैग छीन कर मोबाइल और3000 निकालने के बाद बैग को फेंक दिया और मुझे मारने पीटने के बाद गमछे से गला दबाकर हत्या करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान स्थानीय एक व्यक्ति के देख लेने से दोनों मोटरसाइकिल से फरार हो गये। जानकारी होने पर मेरे मौसा मौसी के साथ स्थानीय लोगों द्वारा सीएचसी खुटहन पहुंचा कर भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के पश्चात हालत गंभीर देखकर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।खबर पाकर परिजन भी जिला अस्पताल जौनपुर पहुंच गए। किशन के पिता राजेंद्र यादव ने आरोप लगाते हुए बताया कि मेरे पुत्र का विवाह शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव निवासी राजकुमार की बेटी शशि कला से लगभग 8 वर्ष पूर्व हुई थी मेरे पुत्र के दो बच्चों में एक लड़का और एक लड़की है। मेरी बहू किशन को अलग लेकर रहना चाहती है। इसीलिए वह दीदारगंज थाने में प्रार्थना पत्र लेकर जहेज उत्पीड़न का आरोप लगा रही है। इस मामले को लेकर दीदारगंज थाना में तैनात मामले को देख रहे उपनिरीक्षक राम बहादुर यादव से दूरभाष पर संपर्क कर पूछा गया तो उन्होंने बताया कि। किशन यादव की पत्नी शशि कला ने प्रार्थना पत्र दिया है उससे मुकदमा दर्ज करने के लिए कहा गया।

मेडिकल कालेज निर्माण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं-डीएम

जौनपुर(आरएनएस)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सिद्धिकपुर में बैठक कर निर्माण कार्यों की प्रगति एवं लंबित समस्याओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजना को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानाचार्य ने अवगत कराया कि कार्यदायी संस्था द्वारा भवन का कार्य अभी पूर्ण नहीं कराया गया है, जिससे अस्पताल का संचालन प्रारंभ नहीं हो पा रहा है। परियोजना प्रबंधक (सिविल एवं विद्युत) द्वारा धनाभाव का हवाला दिए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि लगभग धनराशि शासनादेशों के माध्यम से उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को भुगतान की जा चुकी है। जिलाधिकारी ने लगभग पूर्ण भुगतान के उपरांत भी निर्माण कार्यों में शिथिलता बरतने पर उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड (सिविल एवं विद्युत इकाई) के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी एवं प्रधानाचार्य को दिए। सेंट्रल एसी एवं सबस्टेशन के हैंडओवर के संबंध में प्रधानाचार्य ने स्पष्ट किया कि कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में हस्तांतरण संभव नहीं है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, उ०प्र० पावर कॉरपोरेशन एवं प्रांतीय खंड, लोक निर्माण विभाग, को संयुक्त भौतिक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परियोजना को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप शीघ्र पूर्ण कर जनपदवासियों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। प्राचार्य डॉ. आर.बी. कमल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियंता वी.के. सिंह, अवर अभियंता लोक निर्माण विभाग ए. के. सिंह, परियोजना प्रबंधक एस.के. यादव, अनुराग कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पटलों का आकस्मिक निरीक्षण किया

जौनपुर(आरएनएस)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा न्यायालय उप जिलाधिकारी सदर एवं तहसीलदार के विभिन्न पटलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 05 वर्ष, 03 वर्ष एवं 01 वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। तहसील अंतर्गत जारी होने वाले ई–परवाने (धारा 24, धारा 38(2) एवं अन्य धाराओं) तथा निर्विवाद वरासत के अंतर्गत जारी किए जाने वाले आदेशों की समीक्षा की गई। न्यायालय तहसीलदार एवं खतौनी कक्ष में अभिलेखों के रख–रखाव का भी निरीक्षण किया गया। पोर्टल पर प्राप्त ई–परवाना आदेशों एवं विभिन्न धाराओं के अंतर्गत पारित आदेशों की प्रगति की जानकारी ली गई। इस दौरान कई प्रकरण लंबित पाए गए, जिस पर असंतोष व्यक्त करते हुए तहसीलदार सदर को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए गए तथा सभी लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर अवगत कराने को कहा गया। जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारी सदर एवं तहसीलदार को शासनादेशों के समुचित रख–रखाव एवं अभिलेखों की सुव्यवस्थित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे आमजन को आवश्यक सूचनाएं सरलता से प्राप्त हो सकें। रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय सदर के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा लेखपालों के जीपीएफ और एनपीएस पुस्तिका का अवलोकन किया गया और अद्यतन करने के निर्देश दिया गया। उप जिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार, नायब तहसीलदार सदर, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नवनिर्मित स्वागत कक्ष का उदघाटन

जौनपुर(आरएनएस)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा न्यायालय तहसीलदार परिसर में नवनिर्मित स्वागत कक्ष का उदघाटन किया गया। स्वागत कक्ष बन जाने से वादकारियों सहित अन्य को सहूलियत मिलेगी। परिसर में शासन द्वारा संचालित राजस्व विभाग के कार्यों, अंश निर्धारण संबंधी जानकारी, कृषक दुर्घटना, दैवीय आपदा, मिशन शक्ति सहित विभिन्न योजनाओं की पात्रता एवं लाभ संबंधी सूचनाएं प्रदर्शित की गई हैं जिसे देखकर जिलाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जानकारी प्रदर्शित होने से आने वाले वादकारियों एवं किसानों को आवश्यक जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी मौके पर उपस्थित अधिवक्ताओं और आमजन के द्वारा भी इस पहल की सराहना की गई। उप जिलाधिकारी सदर संतवीर सिंह, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार, नायब तहसीलदार सदर, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवायोजन कार्यालय से निःशुल्क प्रशिक्षण

जौनपुर(आरएनएस)। जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि अनुसूचित जातिध्अनु०जनजाति एवं अन्य पिछड़ें वर्ग हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा अनुसूचित जातिअनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को लिपिकीय स्तरीय प्रतियोगिता सम्बन्धि प्रशिक्षण हेतु शैक्षिक योग्यता न्यूनतम इण्टरमीडिएट है, अर्ह अभ्यर्थियों की आयुसीमा 01 अप्रैल 2026 को 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। प्रशिक्षण हेतु सम्मिलित विषयः– सामान्य ज्ञान, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य हिन्दी, सामान्य गणित, सचिवीय पद्धति, बुक कीपिंग एण्ड ऐकाउन्टेन्सी, हिन्दी टंकण एवं हिन्दी आशुलिपि (स्टेनो) तथा कम्प्यूटर शिक्षा प्रमुख हैं। उक्त वर्ग के अर्ह अभ्यर्थियों का आवेदन पत्र 23 मार्च तक जमा किया जा सकता है। साक्षात्कार 23 व 24 मार्च को प्रातः 10 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, में होगा। प्रशिक्षण सम्बन्धी समस्त जानकारी हेतु अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में जिला सेवायोजन कार्यालय, से सम्पर्क कर सकते हैं।

विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

जौनपुर(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को मूल निवासी संघ के अध्यक्ष छोटे लाल के नेतृत्व में संगठन के लोगो ने विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत संघ के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जिला सौंपा और अपनी मांगों पर गंभीरता से विचार किए जाने की अपील की। संघ की प्रमुख मांगों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को पदोन्नति में समुचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससीध्एसटी) पर क्रीमी लेयर लागू करने के किसी भी प्रयास को रोकना शामिल है। जिलाध्यक्ष छोटे लाल ने कहा कि ओबीसी वर्ग पर लागू क्रीमी लेयर व्यवस्था को समाप्त किया जाना चाहिए।

उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा कि यह सामाजिक न्याय की मूल भावना के विपरीत है। उन्होंने भारत सरकार अधिनियम 1935 और संविधान के अनुच्छेद 16 का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रतिनिधित्व का आधार सामाजिक पिछड़ापन होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक स्थिति। यह भी मांग की गई कि ओबीसी वर्ग के सरकारी कर्मचारियों को पदोन्नति में उचित अवसर और प्रतिनिधित्व दिया जाए।

सीधे भारत मंडपम से... क्या एआई के क्षेत्र में दुनिया को पछाड़ पाएगा भारत?

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहे वैश्विक एआई सम्मेलन में दो दिन से चल रहे विचार मंथन से एक बात उभर कर आई है कि एआई के समक्ष खड़ी चुनौतियों के हल के लिए दुनिया भारत की ओर निहार रही है। देखना होगा कि सम्मेलन के अंत में दिल्ली डिक्लेरेशन से क्या निकल कर आता है। लेकिन यहां एक ओर बात की आवश्यकता महसूस हुई कि भारत को यदि इस क्षेत्र में नेतृत्व हासिल करना है तो बड़े निवेश और सरल तथा प्रभावी नीतियों की भी जरूरत है। देखा जाए तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल नई तकनीक का आकर्षण नहीं रही, बल्कि यह अर्थव्यवस्था, उद्योग, ऊर्जा, नीति और वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुकी है। दुनिया के बड़े देश इसे रणनीतिक साधन की तरह देख रहे हैं। डाटा, कंप्यूटिंग शक्ति और उन्नत चिप आज के दौर का नया तेल बन चुके हैं। ऐसे समय में भारत के सामने मूल प्रश्न यह है कि वह एआई की दौड़ में केवल उपभोक्ता बन कर रहेगा या निर्माता और नेता की भूमिका निभाएगा।भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गईं और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। एआई न केवल सेवाओं को, बल्कि कारखानों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, दवा उद्योग, परिवहन और ऊर्जा व्यवस्था तक को बदल सकती है।यह समझना जरूरी है कि एआई एक ही तरह की चीज नहीं है। उपभोक्ता एआई, जैसे चौट टूल या मनोरंजन आधारित अनुप्रयोग, तेजी से लोकप्रिय होते हैं, पर इन पर अक्सर कुछ ही बड़ी कंपनियों का दबदबा हो जाता है। इसके विपरीत औद्योगिक एआई हर क्षेत्र के लिए अलग समाधान मांगती है। हर उद्योग का अपना डाटा, अपनी समस्या और अपना कामकाज होता है। इसलिए क्षेत्र विशेष मॉडल बनते हैं। यही भारत की ताकत बन सकती है, क्योंकि यहां उद्योगों की विविधता और पैमाना दोनों मौजूद हैं। उदाहरण के लिए दो पहिया वाहन उद्योग को लें। भारत दुनिया के सबसे बड़े दो पहिया बाजारों में है। यह क्षेत्र रोजगार, शहरीकरण और आय वृद्धि से जुड़ा है। अब इलेक्ट्रिक दो पहिया का चलन भी बढ़ रहा है। ऐसे में एआई आधारित मांग अनुमान, डिजाइन सुधार, गुणवत्ता जांच और आपूर्ति प्रबंधन से भारी लाभ हो सकता है। मशीन लर्निंग सिस्टम खराबी का पहले ही संकेत दे सकते हैं। इससे ठहराव घटता है, लागत कम होती है और उत्पादन तेज होता है।दवा उद्योग में भी अवसर विशाल हैं। भारत जेनेरिक दवाओं का बड़ा उत्पादक है, पर गुणवत्ता बनाए रखना चुनौती रहता है। एआई आधारित विजन सिस्टम उत्पादन के दौरान सूक्ष्म दोष पकड़ सकते हैं। डाटा विश्लेषण से प्रक्रिया स्थिर रखी जा सकती है। रोबोटिक ऑटोमेशन दोहराव वाले काम सुरक्षित और सटीक तरीके से कर सकता है। इससे भारत की विश्वसनीयता बढ़ेगी और ऊंचे मूल्य वाले बाजार खुलेंगे।लेकिन एआई की ताकत केवल सॉफ्टवेयर से नहीं आती, इसके लिए भारी कंप्यूटिंग शक्ति चाहिए, जो उन्नत चिप यानी जीपीयू से मिलती है। ये चिप बहुत महंगी

होती हैं। एक उन्नत जीपीयू की कीमत लाखों रुपये तक जा सकती है। भारत ने हजारों जीपीयू लगाए हैं और डाटा केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले वर्ष डाटा केंद्रों ने बिजली ग्रिड से भारी मात्रा में बिजली ली, जो किसी बड़े शहर की मांग के बराबर बैठती है। आने वाले वर्षों में यह मांग कई गुना बढ़ सकती है। यह भारत की बढ़ती डिजिटल क्षमता का संकेत है, पर साथ ही ऊर्जा चुनौती का भी।अगर भारत को एआई में अग्रणी बनना है तो केवल कुछ हजार जीपीयू काफी नहीं होंगे। अमेरिका आज भी इस क्षेत्र में आगे है। उसके पास विशाल डाटा केंद्र क्षमता है और वह उन्नत जीपीयू की आपूर्ति पर नियंत्रण रखता है। इसी कारण वह तकनीकी बढ़त बनाए हुए है। चीन को रोकने की रणनीति में भी चिप आपूर्ति अहम रही है।चीन ने भी इस दौड़ को बहुत पहले समझ लिया था। उसने चिप निर्माण में भारी निवेश किया। उसकी बड़ी तकनीकी कंपनियां अपने एआई चिप बना रही हैं। भले वे अभी सबसे उन्नत स्तर पर न हों, पर तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अमेरिका में भी बड़ी तकनीकी कंपनियां खुद चिप डिजाइन में उतर चुकी हैं। ऐसे माहौल में यदि भारत केवल पुराने स्तर की चिप बनाता रह गया तो वह पीछे छूट सकता है।तो क्या समाधान है? क्या हमें अपनी आकांक्षा घटा लेनी चाहिए? कुछ लोग कहते हैं कि भारत की प्रति व्यक्ति बिजली खपत अभी विकसित देशों से कम है। जैसे जैसे लोग समृद्ध होंगे, उन्हें घरों में अधिक बिजली चाहिए होगी। अगर एआई के कारण बिजली महंगी हुई तो जीवन स्तर प्रभावित हो सकता है। यह चिंता सही है, पर इसका मतलब यह नहीं कि हम पीछे हट जाएं।दरअसल जरूरत बड़े सोच की है। भारत को एक साथ दो मोर्चों पर काम करना होगा। पहला, घरेलू चिप निर्माण और डिजाइन को बढ़ावा देना। इसके लिए नीति समर्थन, निवेश और कौशल विकास जरूरी है। दूसरा, ऊर्जा ढांचा मजबूत करना। नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, बेहतर ग्रिड और भंडारण तकनीक पर जोर देना होगा ताकि डाटा केंद्रों की मांग पूरी हो सके।इसके साथ ही एआई का लाभ केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे। मध्यम और छोटे उद्योगों तक भी पहुंचे। इसके लिए साझा प्लेटफॉर्म, क्लाउड ढांचा और क्षेत्र विशेष समाधान जरूरी हैं। सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थानों को मिल कर काम करना होगा। शोध संस्थान मॉडल विकसित करें, उद्योग वास्तविक समस्याएं और डाटा दें, और सरकार नियम, प्रोत्साहन तथा अवसंरचना दे।भारत को ऐसे नेतृत्व की भी जरूरत है जो अलग अलग पक्षों को जोड़ सके और भरोसा बना सके। एआई को नौकरी छीनने वाली नहीं, बल्कि नई क्षमता देने वाली तकनीक के रूप में समझाना होगा। कौशल प्रशिक्षण, पुनरू प्रशिक्षण और शिक्षा सुधार पर जोर देना होगा।

सम्पादकीय

अमेरिका से ट्रेड डील

पीयूष गोयल के मुताबिक ट्रेड डील में रूसी तेल का मुद्दा नहीं है। इसलिए इस पर विदेश मंत्रालय से पूछा जाना चाहिए। विदेश मंत्री गोयल से पूछने की सलाह दे चुके हैं। प्रधानमंत्री से तो स्पष्टीकरण की अपेक्षा ही नहीं है। अमेरिका से ट्रेड डील में रूसी तेल के मुद्दे को शामिल करने से भारत को आर्थिक के साथ–साथ प्रतिष्ठा का इतना बड़ा नुकसान हुआ है कि नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्री इसकी जवाबदेही एक दूसरे पर टालने की जुगत में दिखे हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक उन्होंने जो डील की, उसमें यह मुद्दा नहीं है, इसलिए इस बारे में विदेश मंत्रालय से पूछा जाना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस बारे में गोयल से पूछने की सलाह दे चुके हैं। प्रधानमंत्री चूंकि असहज करने वाले सवालों पर कभी कुछ नहीं बोलते, इसलिए उनसे कोई स्पष्टीकरण मिलने की संभावना वैसे भी नहीं है।ये सच है कि ट्रेड डील से संबंधित साझा बयान में इस मसले का जिक्र नहीं है। लेकिन साझा बयान जारी होने के साथ ही ह्वाइट हाउस ने अलग विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भारत रूसी तेल की खरीदारी रोकने पर राजी हुआ है। यह भी बताया कि भारत कहीं चोरी–छिपे तेल ना खरीद ले, इसकी निगरानी अमेरिका के तीन मंत्री करेंगे। भारत सरकार के किसी मंत्री या अधिकारी ने इस अमेरिकी एलान का खंडन नहीं किया। उलटे मंत्री इसकी जवाबदेही दूसरे पर टालते दिखे हैं। इसलिए इसे ट्रेड डील का हिस्सा मान लिया गया है और बाजार में उसका असर दिखने लगा है। पहली मार गुजरात के वाडीनगर में स्थित नायरा रिफाइनरी पर पड़ती दिखी है।रूस की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी रोसनेफ्त की इसमें सबसे बड़ी शेयरहोल्डिंग है। इसमें अधिकतर रूस से आए कच्चे तेल का शोधन किया जाता है। लेकिन अब अमेरिका से ट्रेड डील के बाद इस रिफाइनरी का चलना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। तो ये चर्चा शुरू हो गई है कि रोसनेफ्त के शेयर खरीद कर कोई भारतीय कंपनी इसकी मालिक बनेगी और फिर वह अन्य स्रोतों से आए तेल का शोधन करेगी। अनुमान है कि यह तेल अधिकांशतरू अमेरिका से आएगा। मगर यह महंगा सौदा है। अमेरिका से तेल ऊंचे भाव में मिलेगा। परिवहन खर्च पर बड़ी कीमत चुकानी होगी। उधर अमेरिकी दबाव में आने के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को पहुंची हानि अलग है। इसीलिए इसकी जवाबदेही पर मुंह छिपाने की जरूरत पड़ी है।

शी-बाक्स पोर्टल कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा का डिजिटल कवच

भारत जब 2047 में अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, तब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने महिला–नेतृत्वित विकास को राष्ट्रीय प्रगति का केंद्र बिंदु बनाया है। महिलाओं की समावेशी आर्थिक वृद्धि में निर्णायक भूमिका को स्वीकार करते हुए सरकार ने ऐसा सुरक्षित, सम्मानजनक और संवेदनशील कार्य वातावरण तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया है, जिससे महिलाएं आत्मविश्वास के साथ कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ सकें। इसी दिशा में कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में कार्य करता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बीते एक दशक में महिला सशक्तिकरण को केवल एक नारा नहीं, बल्कि नीति, संरचना और प्रभावी क्रियान्वयन का विषय बनाया है। नारी शक्ति को राष्ट्र की उन्नति का आधार मानते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यापक संस्थागत सुधार किए गए हैं। इसी दूरदर्शी दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण और व्यावहारिक उदाहरण है महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में प्रारंभ किया गया शी–बॉक्स पोर्टल, जो कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और न्याय तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक सशक्त डिजिटल मंच के रूप में उभरा है। आज भारत में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017–18 में 23.3त्न से बढ़कर 2023–24 में 41.7त्न हो गई। सरकारी और निजी क्षेत्रों के साथ–साथ स्टार्टअप्स, सेवा क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य और असंगठित क्षेत्रों में भी महिलाएँ बड़ी संख्या में कार्यरत हैं। ऐसे में यह अनिवार्य हो जाता है कि कार्यस्थल सुरक्षित, सम्मानजनक और भय–मुक्त हों। कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश अधिनियम) इसी उद्देश्य से बनाया गया था। मोदी सरकार ने कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए डिजिटल गवर्नेंस के तहत शी–बॉक्स पोर्टल को 29 अगस्त 2024 को तकनीकी सुधारों के साथ पुनरू लॉन्च किया, जिससे यह अधिक उपयोगकर्ता–अनुकूल और पारदर्शी बन सके।यह पोर्टल देशभर में गठित आंतरिक समितियों और स्थानीय समितियों से संबंधित सूचनाओं का एक केंद्रीकृत भंडार प्रदान करता है। शी–बॉक्स पोर्टल का उन्नत संस्करण महिलाओं को सीधे संबंधित आईसी या एलसी के पास शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है। इससे शिकायत प्रक्रिया में होने वाली देरी और अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप में कमी आती है। शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक भी कर सकती हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह मंच सरकारी या निजी, संगठित या असंगठित – हर क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के लिए समान रूप से सुलभ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मोदी सरकार की महिला सुरक्षा की नीति किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि समावेशी है।प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया विजन के अनुरूप, शी–बॉक्स महिलाओं को सुरक्षित, सरल और गोपनीय तरीके से शिकायत दर्ज करने और उसकी प्रगति ट्रैक करने की सुविधा देता है।

मनोरंजन के नहीं मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं।कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंड़ी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के ही बच्चे या युवा आ रहे हो

ऐसा है नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क स संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल ऑनलाइन गेम खेल मनोस्थिति को इस कदर प्रीभावित कर देते हैं कि उठते बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरु किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं।

दरअसल देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2002 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है। देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। दरअसल कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरु हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चें ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चौलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि आदि गेमों ने सर्वाधिक प्रभावित किया है।ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। मजे की बात यह है कि 10–12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इन गेमों के चक्कर में अधिक आ रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है कि इसी तरह से यह चलता रहा तो 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी की 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं।

क्या शबाना महमूद ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनेंगी?

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह सुदर्शना है। सुशिक्षिता है। युवा और अनुभवी हैं। तत्पर और प्रत्युत्पन्नमति हैं। संसद और बाहर वह मुखर है। कलुष के बेदब दौर में उनकी छवि बेदाग और उजली है। इतनी खूबियों से सुसज्ज शबाना महमूद इन दिनों सुर्खियों में हैं। संप्रति वह ब्रिटेन की सेक्रेट्री फार द होम यानि गृहमंत्री है। एप्सटीन फाइल्स के जेरे–बहस दौर में इस आशय की अटकलों का सब्जा दरो–दीवार और मुंडेरों पर उग आया है कि क्या वह ब्रिटेन की प्रधानमंत्री होंगी। फिलहाल उनके और प्रधानमंत्री पद के दरम्यान एक सोपान का फासला है। यदि वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो वह एशियाई मूल की दूसरी और मुस्लिम संप्रदाय की पहली महिला होंगी। गौरतलब है कि भारतीय मूल के ऋषि सूनक इसके पूर्व ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके है, जबकि शबाना पाकिस्तानी मूल की नेत्री है।

लोकतंत्र के जनक ब्रिटेन में इन दिनों कुख्यात एप्सटीन फाइल्स को लेकर बावेला मचा हुआ है। कई राजनेता पद त्याग को बाध्य हुये हैं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यदि दबाव अधिक बढ़ा तो मजबूरन उन्हें इस्तीफा देना पड़ सकता है। इस कयास के मद्देनजर शबाना महमूद के पीएम बनने की संभावना प्रबल है। 45 वर्षीया शबाना सत्तारुढ़ ब्रिटिश लेबर पार्टी की सदस्या और बैरिस्टर हैं। वह पहले पहल सन 2010 में मई के आमचुनाव में बर्मिंघम लेडीवुड से एमपी चुनी गयी थीं। तदंतर वह चुनावों में लगातार विजयी हुई। जीत की हैटट्रिक बना चुकी शबाना ब्रिटिश लेबर पार्टी की अग्रणी नेताओं में शुमार हैं। सन 2024–25 में सेकेट्री फार जस्टिस यानि न्यायमंत्री रहने के बाद गत वर्ष उन्हें गृह जैसा महत्वपूर्ण महकमा सौंपा गया।

17 सितंबर, सन 1980 को बर्मिंघम में जनमी शबाना के परिवार की जड़े पाकअधिकृत काशमीर में मीरपुर में है। माँ जुनेदा और पिता महमूद अहमद की संतान शबाना के दो भाई और एक बहन है। अनमें एक उनका जुड़वा भाई है। सन 1981 से 1986 तक वह परिवार के साथ सऊदी अरब तैफ में रहीं जहां उनके पिता सिविल इंजीनियर थे।

उसके बाद परिवार बर्मिंघम चला आया। पिता जहाँ लेबर गर्टी से जुड़ गये, वहीं मां स्वयं की सुविधा–शॉप का संचालन करने लगीं 11वीं कक्षा में अनुतीर्ण रहने पर वह स्माल हीथ स्कूल और किंग एडवर्ड षष्टम कैंप हिल स्कूल में पढ़ीं। अंततरू उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अंतर्गत लिंकन कॉलेज से कानून में उपाधि हासिल की। पूर्व पीएम ऋषि सूनक कॉलेज में उनसे एक दर्जा आगे थे और शबाना जूनियर कॉमन रूम के चुनाव में ऋषि ने उन्हें वोट देने का वायदा किया था।

युवा शबाना बर्मिंघम में पिता के राजनीतिक कार्यों में हाथ तो बंटाती थीं, अलबत्ता उनकी ख्वाहिश थी कि वह बैरिस्टर बने। उनकी यह ख्वाहिश पूरी हुई। सन 2010 में जब निवर्तमान सांसद क्लेयर शार्ट ने बर्मिंघम से चुनाव लड़ने की अनिच्छा व्यक्त की तो शबाना ने दावेदारी की होड़ में याई मॉर्स्क्वटो को पीछे छोड़ दिया। इस द्वन्द ने इलाके में जातीय धड़ेवाजी को को बढ़ावा दिया, वह फिलिस्तीन समर्थक और इस्रायली उत्पादों के बहिष्कार की हिमायती नेत्री के तौर पर उभरीं। विवाद होने पर उन्होंने सतर्कतापूर्वक अपने पाँव पीछे खींच लिये, लेकिन इसने उनकी छवि जियोनिज्म (यहूदीवाद) विरोध की बना दी। वह इस्लाम में गहरी आस्था के लिये भी जानी गयीं और उन्होंने इसे कभी छुपाया नहीं। शबाना, रोशनआरा अली और यास्मीन कुरैशी की तिकड़ी ने बीते दशक में खासी शोहरत कमाई। लेबर नेता जेरेमी कार्बिन्स से मतभेदो को उन्होंने कभी छिपाया नहीं और साहसपूर्वक दायित्व संभालने की पेशकशों को ठुकरा दिया। बहरहाल, सितंबर 2023 में कीर स्टार्मर ने उन्हें शैडो सेक्रेट्री बनाया। सन 2024 के आम चुनाव में उनका मुकाबला निर्दलीय अखमेद याकूब से हुआ, लेकिन वह विजयी रहीं। जुलाई, 2024 उनके लिये नेमत लेकर आई, जब स्टार्मर ने उन्हें न्याय सचिव और लार्ड चांसलर बनाया। इस ओहदे को संभालने वाली वह तीसरी महिला और पहली मुस्लिम थीं।

शबाना दो टूक कहती हैं कि इस्लाम उनका अपना धर्म है और अन्य इस्लाम धर्मावलंबियों की भांति उनके जीवन में आस्था महत्त्वपूर्ण तत्त्व है। यह तत्व उनके समस्त कार्यों का प्रेरक है। अवैध आव्रजन को लेकर शबाना की भावभंगिमा कठोर है और वह अवैध आव्रजकों और दंगाइयों से कठोरता से निपटने में यकीन रखती हैं। उन्हें ब्रिटिश लेबर पार्टी के अनुदार नीले (ब्लू) धड़े की मेंबर के तौर पर देखा और जाना जाता है। एप्सटीन फाइल्स के नामों के उजागर होने के बाद जिस तरह परिस्थितियां बदल रही है, उनसे यह कयास लगाया जा रहा है कि शबाना कल ब्रिटेन की पहली मुस्लिम महिला प्रधानमंत्री हो सकती है

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज का दिन आपको लाभ दिलाने वाला है। कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं का रास्ता आज ढूंढ लेंगे। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगायेंगे। आप किसी सामाजिक काम में अपना सहयोग करेंगे।

वृष राशि–

आज आपका दिन आपके लिए खुशियों की नई सौगात लाया है। जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया मिलेगा। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर विचार विमर्श करेंगे। आपके क्रोध से बना हुआ काम बिगड़ भी सकता है,

मिथुन राशि–

आज आपका दिन बहुत शुभ रहेगा। आज घर–परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। आर्ट स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहेगा, ज्यादा समय अध्ययन में गुजरेगा।

कर्क राशि–

आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। साथ ही लेन–देन के मामलों में.. आपको सावधानी बरतने की जरुरत है।

सिंह राशि–

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्रोग्राम सफल होगा। आज घर के बड़े–बुजुर्ग की सेवा करने से आपको अच्छा महसूस होगा। रिश्तेदारों में आपकी तारीफ होगी।

कन्या राशि–

आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आप कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में भी सक्षम रहेंगे।

तुला राशि–

आज आपका दिन थोड़ा व्यस्तता से भरा हो सकता है। आप पिछले छूटे कामों को पूरा करने में बिजी रहेंगे। आज आपको किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक राशि–

आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियाँ लाया है। आप माता–पिता के साथ धार्मिक स्थल पर जायेंगे। घर में नए मेहमान के आने की संभावना है,

धनु राशि–

आज आपका दिन रोज की अपेक्षा ज्यादा अच्छा रहेगा। व्यापार के क्षेत्र में थोड़ी मुश्किलों के बाद.. लाभ का योग बना रहेगा। बेवजह की भाग दौड़ से बचें

मकर राशि–

आज आपका दिन ठीक–ठाक रहने वाला है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर बना रहेगा।

कुम्भ राशि–

आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है,

मीन राशि–

आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बेरोजगारों को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। आज दोस्तों के साथ आउटिंग पर जाने से आपको खुशी मिलेगी। धन से जुड़ी चिंताएं छूमंतर हो जाएगी। साथ ही कहीं रुका हुआ धन आपको मिल सकता है।

आक्टा के आह्वान पर शिक्षक संघ ने किया विरोध प्रदर्शन

अयोध्या। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ (आक्टा) के आह्वान पर अम्बेडकर नगर प्रशासन की कथित तानाशाही के विरोध में विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों के प्राध्यापकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षक संघ के आह्वान पर शिक्षक समुदाय ने अंबेडकर–प्रशासन द्वारा बीएनकेबी महाविद्यालय, अकबरपुर की प्राचार्य प्रो. शुचिता पाण्डेय के विरुद्ध दर्ज कराई गई एफआईआर को पूर्णतः निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। ज्ञातव्य है कि अम्बेडकर नगर के उपजिलाधिकारी सदर द्वारा प्राचार्य प्रो. शुचिता पाण्डेय पर नकल कराने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई गई है, जिसे शिक्षक समुदाय ने असत्य और अन्यायपूर्ण करार दिया है। महाविद्यालयों के शिक्षकों ने अपनी कार्यकारिणी के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर के प्रशासनिक भवनों के समक्ष एकत्र होकर नारेबाजी की तथा प्रो. शुचिता पाण्डेय व दो अन्य शिक्षकों के प्रति अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राध्यापकों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर रोष व्यक्त करते हुए इसे शिक्षक समाज के सम्मान पर आघात बताया। विरोध प्रदर्शन में साकेत महाविद्यालय, राजा मोहन महिला महाविद्यालय, ढोडेराम महाविद्यालय, सेवरा अयोध्या, राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुल्तानपुर, गणपत सहाय महाविद्यालय सुल्तानपुर, संत तुलसीदास कॉलेज कादीपुर, संजय गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय चौकिया, रणवीर रणंजय महाविद्यालय अमेठी, इंदिरागांधी महाविद्यालय गौरीगंज, केएन आई सुल्तानपुर, बीएनकेबी कॉलेज अंबेडकर नगर, बाबा बरुआ दास महाविद्यालय परुईया आश्रम, टीएनपीजी कॉलेज टांडा, जवाहर लाल नेहरू स्मारक महाविद्यालय बाराबंकी, रामनगर पीजी कालेज रामनगर, श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय गोण्डा, आचार्य नरेन्द्र देव किसान महाविद्यालय बभनान, केडीसी बहराइच, महिला महाविद्यालय बहराइच, गायत्री महाविद्यालय रिसिया बहराइच व शिव सावित्री महाविद्यालय रुदौली, शांति स्मारक कालेज रुदौली, राजा कान्ह कालेज अमेठी, राम अवध पीजी कालेज अंबेडकर नगर, भाग्यवती देवी देवता सिंह महाविद्यालय अयोध्या, बाबू महिपति सिंह महाविद्यालय तिलोई अमेठी, परमहंस कॉलेज अयोध्या, सहयोगी महाविद्यालय बाराबंकी, शिवमूर्ति सिंह महाविद्यालय त्रिसुंडी अमेठी, चौधरी हनुमान प्रसाद कृषक महाविद्यालय अंबेडकर नगर, उदय महाविद्यालय बीकापुर अयोध्या, महिला महाविद्यालय गद्दोपुर अयोध्या, श्रीमती महादेवी महाविद्यालय, ग्राम्यांचल महाविद्यालय हैदरगढ़ बाराबंकी, रामप्रसन्न मणि स्मारक महाविद्यालय सरायरासी अयोध्या तथा अन्य महाविद्यालयों के शिक्षकों ने काली पट्टी बाँध कर विरोध प्रदर्शन करते हुए कार्य किया। उत्तर प्रदेश प्राचार्य परिषद ने ऑक्टा के इस विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है तथा प्रादेशिक शिक्षक महासंघ ने भी विरोध का समर्थन करते हुए मंडलायुक्त और कुलपति को पत्र लिखा है।

अंतिम दौर में चल रहे निर्माण कार्यों को शीघ्र कराएं पूर्ण निखिल टीकराम फुंडे

-सीएमआईएस पोर्टल पर फीड परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न

अयोध्या। जिलाधिकारी निखिल टीकराम फुंडे की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह की सह–अध्यक्षता में माह जनवरी 2026 की सीएमआईएस पोर्टल पर फीड परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न विकासपरक एवं निर्माणाधीन परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान क्रीड़ा संकुल, एकेडमी ब्लॉक (तारुन, माया, बीकापुर), मंडी परिषद परियोजनाएं, परिक्रमा मार्ग, पक्के नाले व तालाब निर्माण, गौशाला, घाटों के सुंदरीकरण, सरयू रिवर फ्रंट, संग्रहालय, छात्रावास, आवासीय एवं शैक्षिक भवन, स्वास्थ्य भवन,

पेयजल योजनाएं, पंप व सोलर पैनल, एसटीपी, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, सड़क निर्माण, ब्रिज निर्माण, नगर विकास कार्य, पार्किंग, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास सहित अन्य विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विभागाध्यक्ष अपनी–अपनी परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति समयबद्ध रूप से सीएमआईएस पोर्टल पर दर्ज करना सुनिश्चित करें तथा आंकड़ों की शुद्धता एवं पारदर्शिता बनाए रखें। जिन परियोजनाओं का कार्य अंतिम चरण में है उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराया जाए, ताकि जनसामान्य को योजनाओं का लाभ समय से प्राप्त हो सके।साथ ही पोर्टल पर जनपद की रैंकिंग में सुधार हो सके। समीक्षा के दौरान जिन परियोजनाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई गई, उनके संबंध में संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने, बाधाओं को तत्काल दूर करने तथा निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रमजान, ईद, होली व रामनवमी मेले को लेकर प्रशासन अलर्ट

-जिला मजिस्ट्रेट ने शांति व्यवस्था के लिए जारी किया निर्देश

अयोध्या। जिला मजिस्ट्रेट निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष चंद्र दर्शन के अनुसार 18-19 फरवरी 2026 से रमजान माह प्रारंभ होना संभावित है। इस दौरान इस्लाम धर्मावलंबियों द्वारा प्रतिदिन प्रातः शहरी, सायंकाल मस्जिदों में तरावीह तथा रोजा इफ्तार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और पांच वक्त की नमाज अदा की जाएगी। चंद्र दर्शन के अनुसार ईद–उल–फितर का त्योहार 20-21 मार्च 2026 को मनाया जाना संभावित है। उन्होंने बताया कि रमजान माह में 20 फरवरी, 27 फरवरी, 6 मार्च को शुक्रवार पड़ेंगे तथा 13-20 मार्च को रमजान का अंतिम शुक्रवार (जमातुलविदा) होगा। शिया समुदाय द्वारा रमजान की 19वीं, 20वीं व 21वीं तारीख को जुलूस निकाले जाने की परंपरा है। नगर में सुन्नी समुदाय द्वारा ईदगाह सिविल लाइन तथा शिया समुदाय द्वारा इमामबाड़ा राठहवेली व रानोपाली ईदगाह में सामूहिक नमाज अदा की जाती है। ईद के अवसर पर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख ईदगाहों एवं मस्जिदों में नमाज के बाद लोग एक–दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं।जिलाधिकारी ने बताया कि अयोध्या धाम का प्रांतीयकृत चौत्र रामनवमी मेला 19 मार्च से 27 मार्च 2026 तक आयोजित होगा। इसके अतिरिक्त 2 मार्च को होलिका दहन तथा 4 मार्च को होली का पर्व है। इन सभी आयोजनों को दृष्टिगत रखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। नगर मजिस्ट्रेट, रेजीडेंट मजिस्ट्रेट एवं समस्त उपजिलाधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शांति व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। साथ ही मुस्लिम धर्मगुरुओं, मौलानाओं व कमेटियों से संवाद स्थापित कर समय से शांति समिति की बैठकें आयोजित की जाएंगी। त्योहार रजिस्टर का अवलोकन कर संभावित विवादों का समय से निस्तारण तथा नई परंपरा न पड़ने देने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी को पर्व के दौरान जनपद के सभी अस्पतालों, पीएचसी व सीएचसी में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं व एंबुलेंस व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, कैंट बोर्ड एवं पंचायती राज विभाग को साफ–सफाई, प्रकाश, पेयजल, मार्ग मरम्मत एवं जलापूर्ति की समुचित व्यवस्था करने को कहा गया है। विद्युत विभाग को ढीले तारों व जर्जर खंभों की मरम्मत तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। लोक निर्माण विभाग को मस्जिदों, ईदगाहों व प्रमुख मार्गों के गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराने को कहा गया है। जल निगम को आवश्यकतानुसार हैंडपंपों के रिबोर तथा खोदे गए गड्ढों के समतलीकरण के निर्देश दिए गए हैं। नगर निकाय, पंचायती राज एवं पशु चिकित्सा विभाग को भीड़भाड़ वाले स्थलों व जुलूस मार्गों से निराश्रित पशुओं को हटाने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। जनपद में कानून–व्यवस्था बनाए रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा–163 के अंतर्गत जारी निषेधाज्ञाओं का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

सिंधी अध्ययन केंद्र में लिप्पन कला पर कौशल विकास की कार्यशाला संपन्न

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अमर शहीद संत कंवरराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में चल रहे छह दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला के पांचवें दिन लिप्पन कला की कला के बारे में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय पारंपरिक लोक कलाओं से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि युवाओं में पारंपरिक कला एवं शिल्प के प्रति गहरी रुचि है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य लिप्पन कला की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, तकनीकी प्रक्रिया और समकालीन उपयोगिता से विद्यार्थियों को परिचित कराना था। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अनूप कुमार ने लिप्पन कला के इतिहास और महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि लिप्पन कला का उद्भव गुजरात के कच्छ क्षेत्र में हुआ, जहाँ स्थानीय समुदायों ने मिट्टी और छोटे–छोटे दर्पणों (मिरर वर्क) के माध्यम से अपने घरों की दीवारों को सजाने की परंपरा विकसित की। 'लिप्पन' शब्द का अर्थ ही है कृ लेप करना या सजाना। यह कला प्राकृतिक मिट्टी, ऊँट के गोबर और अन्य स्थानीय संसाधनों से तैयार की जाती थी, जिससे दीवारों को मजबूती और सौंदर्य दोनों प्राप्त होते थे। उन्होंने बताया कि लिप्पन कला केवल सजावट का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इसमें ज्यामितीय आकृतियाँ, पुष्प रूपांकन और पारंपरिक प्रतीकों का प्रयोग किया जाता है, जो स्थानीय जीवन शैली और मान्यताओं को दर्शाते हैं। प्रो. अनूप कुमार ने कहा कि आज के पर्यावरणीय संदर्भ में यह कला सतत विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है, क्योंकि इसमें प्राकृतिक और पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि इस कला को नवाचार और डिजाइन के साथ जोड़ा जाए तो यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बना सकती है। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में विनिता ने लिप्पन कला पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने लिप्पन कला की मूलभूत संरचना, सामग्री चयन, डिजाइन निर्माण और अंतिम फिनिशिंग की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि पारंपरिक रूप से इस कला में स्थानीय मिट्टी का उपयोग किया जाता है, जिसे विशेष अनुपात में तैयार कर दीवार या आधार सतह पर उभारे गए डिजाइनों के रूप में लगाया जाता है। इसके पश्चात छोटे–छोटे गोल या चौकोर दर्पणों को सजावटी ढंग से जड़ा जाता है, जिससे प्रकाश परावर्तित होकर अद्भुत दृश्य प्रभाव उत्पन्न करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष प्रदर्शन के माध्यम से लिप्पन बनाने की पूरी प्रक्रिया सिखाई। आधार सतह तैयार करने, डिजाइन ट्रांसफर करने, मिट्टी को सही मोटाई में लगाने, और दर्पणों को संतुलित ढंग से स्थापित करने की तकनीकें बताईं। इसके अतिरिक्त आधुनिक संदर्भ में लिप्पन कला का उपयोग दीवार पैनल, फोटो फ्रेम, सजावटी ट्रे, क्लॉक और गिफ्ट आइटम में किस प्रकार किया जा सकता है। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वयं भी लिप्पन कला का अभ्यास किया और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन कपिल द्वारा किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक स्टेडियम बनाकर युवाओं को दी जाएँगी सुविधाएं

अयोध्या। अयोध्या के ग्रामीण इलाकों की खेल सुविधाओं में अब बड़ा परिवर्तन दिखने जा रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने धार्मिक पर्यटन के साथ–साथ युवाओं के खेल और शारीरिक विकास पर विशेष जोर देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में ओपन जिम और आधुनिक स्टेडियम निर्माण की व्यापक योजना बनाई है। इस कदम से अयोध्या के गांवों में छिपी प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलेगा और युवा स्थानीय स्तर पर ही विश्वस्तरीय अभ्यास कर सकेंगे। जिले के ग्रामीण इलाकों में ओपन जिम और मिनी स्टेडियम बनाने की तैयारी जोरों पर है। प्रशासन द्वारा 11 विकासखंड में भूमि चिह्नित करने का कार्य शुरू हो चुका है। विभिन्न ग्राम पंचायतों में उपयुक्त जगहों की पहचान की जा रही है, ताकि जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू हो सके। ये सुविधाएं ग्रामीण युवाओं को शहरों की ओर जाने की मजबूरी से बचाएंगी और उन्हें घर के पास ही अभ्यास का मौका देंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने खेल को युवा सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम माना है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2026–27 के बजट में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए खेल सुविधाओं पर विशेष प्रावधान किया गया है। राज्य स्तर पर ग्रामीण स्टेडियम और ओपन जिम निर्माण के लिए 130 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित की गई है। यह राशि पूरे प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उपयोग की जाएगी, जिसमें अयोध्या के गांव भी प्रमुखता से शामिल होंगे।

सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि अयोध्या को आस्था का केंद्र के साथ–साथ खेल और युवा सशक्तिकरण का भी प्रमुख हब बने। राम नगरी के रूप में विश्व प्रसिद्ध होने के साथ ही यहां के युवा खेल के मैदान में भी नई ऊंचाइयां छू सकें। ओपन जिम से आम ग्रामीण युवा फिटनेस और बॉडी बिल्डिंग में रुचि ले सकेंगे, जबकि मिनी स्टेडियम, क्रिकेट, फुटबॉल, कुश्ती और एथलेटिक्स जैसी खेल गतिविधियों के लिए आदर्श साबित होंगे। यह योजना 'कैच देम यंग' की भावना से जुड़ी हुई है, जिसके तहत बचपन से ही प्रतिभाओं को पकड़कर उन्हें निखारा जाता है। मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि जिले के ग्रामीण युवा अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे। भूमि चिह्नांकन के बाद जल्द ही निर्माण एजेंसियां काम शुरू करेंगी। इससे न केवल युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। गांवों में खेल के मैदान और जिम बनने से पर्यटन के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। रुदौली विधानसभा क्षेत्र बिड़हार गांव निवासी अजय तिवारी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों में ऐसी आधुनिक सुविधाएं आने से हमारे जैसे युवाओं को बड़ा मौका मिलेगा। प्रतिभा होने के बावजूद संसाधनों की कमी से पीछे रह जाते थे, अब घर के पास ही क्रिकेट, कुश्ती या फुटबॉल का प्रैक्टिस कर सकेंगे। सरकार का 130 करोड़ का प्रावधान देखकर लगता है कि अब गांव के बच्चे भी देश–विदेश में नाम कमाएंगे। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के किनौली गांव निवासी मुकुल श्रीवास्तव काफी उत्साहित है उनका कहना है कि गांव में मिनी स्टेडियम लगभग तैयार होना बड़ा तोहफा जैसा है। ओपन जिम भी बड़ी सौगात होगी।

अयोध्याधाम से लगभग सभी विभागीय कार्यालय व सरकारी संस्थान धीरे-धीरे किए जा रहे समाप्त

-विद्युत उपखण्ड अधिकारी कार्यालय भी अयोध्याधाम से फैजाबाद स्थानांतरित

अयोध्या। अयोध्याधाम के निवासियों से धीरे–धीरे सभी विभागीय अधिकारी यहां कई दशकों से कार्यरत सरकारी कार्यालयों, चिकित्सालयों व संस्थानों को दूर करते जा रहे हैं।अयोध्याधाम में अयोध्या क्षेत्र विशेष विकास प्राधिकरण, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी कार्यालय,पशु चिकित्सालय, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी कार्यालय सहित अन्य संस्थानों को उत्तर प्रदेश सरकार ने हटाकर फैजाबाद शहर में शिफ्ट कर दिया है जिससे अयोध्या वासियों को लगभग 15 किलोमीटर की दूरी तय करना पड़ता है। छोटे–छोटे कार्यों के लिए यहां के वाशिंदों को सैकड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी फैजाबाद जाने में नाकों चने चबाने पड़ रहे हैं। लगभग सभी अधिकारी फैजाबाद शहर में बैठकर आनंद लेते हैं और यहां के नागरिकों को दर– दर की ठोकरें खाना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उनके मंत्रिमंडल के सदस्य व सांसद– विधायक ने भी अपने आंख–कान बंद कर रखें हैं। अयोध्या वासियों की उनको भी कोई चिन्ता नहीं है।अभी हाल ही में उपखंड अधिकारी (विद्युत) का राम कथा पार्क के सामने स्थित कार्यालय समाप्त करके उसे फैजाबाद कलेक्ट्रेट के पास स्थित कुंज कुटीर कार्यालय में शिफ्ट कर दिया गया है। यहां का मीरापुर मुहल्ले में कई दशकों से किराये के भवन में चल रहा सरकारी पशु चिकित्सालय भी लगभग 3 साल पहले स्थानांतरित कर फैजाबाद पुराने पशु अस्पताल में शिफ्ट करके कर दिया गया बताया गया उसके भवन निर्माण हेतु सरकार ने दो करोड़ रुपए आये थे लेकिन जिलाधिकारी ने अयोध्या में उसके भवन निर्माण हेतु जमीन नहीं उपलब्ध कराई थी जिसके कारण उक्त धनराशि विभाग द्वारा वापस कर दी गई और यहां से उस चिकित्सालय को खत्म कर दिया गया जिसके कारण पशुओं के इलाज के लिए नागरिकों को दर–दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं लेकिन शासन–प्रशासन की आंखें पूरी तरह से बंद है। इस संबंध में मुख्यमंत्री को भी लिखित रूप में अवगत कराया जा चुका है फिर भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अयोध्या नगरी को फैजाबाद में जोड़कर नगर निगम बनाए जाने के कारण नगर निगम का मुख्यालय भी फैजाबाद में है, यहां नाम मात्र एक अधिकारी बैठता है लेकिन मुख्य कार्य कराने हेतु लोगों को फैजाबाद ही दौड़ना पड़ता है। श्री राम चिकित्सालय भी शीघ्र ही यहां से समाप्त कर फैजाबाद में स्थापित करने की योजना शासन द्वारा चलाई जा रही है, ऐसा विषय सूत्रों से पता चला है। अभी जनता को अपना इलाज करने के लिए फैजाबाद जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर दौड़ना पड़ता है। वर्तमान में श्री राम अस्पताल पहुंचने पर जो राहत मरीजों को मिल जाती है वह भी समाप्त होने की कगार पर है। यहां पर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय व ऋषभदेव नेत्र चिकित्सालय कायम तो हैं लेकिन वह बिल्कुल अनुपयोगी साबित हो रहे हैं क्योंकि उनके विकास और उनकी समस्याओं को दूर करने की तरफ योगी सरकार की निगाहें हीं नहीं जा रही है। उपखंड अधिकारी (विद्युत) का कार्यालय समाप्त होने के बाद अब केवल पुलिस क्षेत्राधिकारी का ही कार्यालय बचा है वह भी देर–सबेर भविष्य में समाप्त हो सकता है जैसी रणनीति शासन प्रशासन की चल रही है। यहां सरकारी कार्यालय रहने से जनता को अपने काम कराने में सुविधा रहती थी लेकिन आक्रोश भी इन विभागीय अधिकारियों को झेलने पर पड़ता था इस कारण सारे सरकारी कार्यालय व संस्थान फैजाबाद में दूर–दूर तक स्थानांतरित किये जा रहे हैं इससे जनमानस में काफी आक्रोश है। शीघ्र ही अयोध्या नागरिक मंच के बैनर चले अयोध्या में एस0डी0ओ0 (विद्युत) कार्यालय,पशु चिकित्सालय पुनः कायम कराने के लिए आंदोलन की शुरुआत की जाएगी, इसके पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व ऊर्जा मंत्री के पास मंच की ओर से लिखित मांग पत्र भेजे जाएंगे और एक माह इंतजार करने के बाद जरूरत पड़ी तो धरना–प्रदर्शन नागरिकों द्वारा किया जाएगा।

एशिया की सबसे बड़ी बनास डेयरी व कृषि विवि के बीच एमओयू

-गुजरात में हुए इस एमओयू के मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी रहीं मौजूद

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय एवं गुजरात के बनास डेयरी के बीच एमओयू हुआ। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह एवं गुजरात विधान सभा व बनास डेयरी के अध्यक्ष शंकर चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। गुजरात में हुए इस एमओयू के मौके पर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। बनास डेयरी एशिया की सबसे बड़ी डेयरी है जो विश्वविद्यालय और संस्थान के मध्य शिक्षा, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभायेगा। इस एमओयू के होने से कृषि विवि के वैज्ञानिकों को डेयरी के क्षेत्र में विशेष जानकारियां प्राप्त होंगी जो वैज्ञानिक अपने प्रदेश के किसानों के साथ साझा कर सकेंगे। इससे किसानों की आय दोगुणी करने में भी मदद मिलेगी। वैज्ञानिक दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों, पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के नए तरीकों, गोबर से ऊर्जा उत्पादन, दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के नए तकनीकों को विकसित कर सकेंगे। कृषि विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करके नए अनुसंधान और विकास के अवसर भी मिलेगा। यही नहीं विवि के वैज्ञानिक भ्रूण के विकास के लिए उपयुक्त वातावरण, भ्रूण संरक्षण की तकनीक का उपयोग कर भ्रूण को सुरक्षित रखने की बारीकियों को भी परखेंगे। वैज्ञानिकों को भ्रूण पर अनुसंधान करने का भी मौका मिलेगा जिससे पशुओं की गुणवत्ता में सुधार और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की जा सके। अपने कार्यकाल के अंत में जाते–जाते कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर बनास डेयरी से एमओयू किया जो आने वाले समय में विश्वविद्यालय परिवार के लिए कल्याणकारी सिद्ध होगा।

टेट आंदोलन में सभी संगठनो के एक मंच पर आने के निर्णय की सराहना

-सोहावल विकास खण्ड की कार्यकारिणी व संघर्ष समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

अयोध्या। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ दिनेशचंद्र शर्मा के निर्देश पर सोहावल विकास खण्ड की कार्यकारिणी एवं संघर्ष समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र वर्मा ने की, संचालन ब्लाक मंत्री समीर सिंह ने किया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष एवं प्रांतीय ऑडिटर नीलमणि त्रिपाठी ने सदस्यता रजिस्टर,कार्यवाही रजिस्टर का अवलोकन करते हुए विसंगतियों को तत्काल सही करते हुए सदस्यता बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ हाई टेट संबंधी आंदोलन में सभी मान्यता प्राप्त संगठनो के एक मंच पर आने के निर्णय की सराहना की। आगामी दिवस में होने वाले आंदोलन के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुए सबके सहयोग की अपेक्षा की।उपस्थिति सभी सदस्यों ने संघर्ष में हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।

जिला मंत्री डॉ चक्रवर्ती सिंह ने सभी उपस्थित सदस्यों के ट्वीटर अकाउंट की समीक्षा की। बैठक में चार सदस्यों ऐसे भी थे जिनका ट्यूटर एक्स का अकाउंट नहीं बना था जिसे तत्काल बनवाया गया। शेष सभी पदाधिकारियों ट्विटर पर एक्टिव पाए गए। ज्ञानस्वरूप सिंह ने संघर्ष में सहयोग का सभी सदस्यों से आश्वासन लिया। बैठक में शैलेंद्र वर्मा ,मंत्री समीर सिंह पंकज द्विवेदी, धर्मवीर चौहान, जमाल अहमद, सौरभ यादव, आशीष तिवारी, पवन गुप्ता , निमिष तिवारी, अमरचंद, आवेश कुमार, खलीक खान, अतुल पंकज , लवकेश शुक्ला, निखिल सिंह, प्रदीप सिंह सहित ब्लॉक कार्यकरिणी एवं ब्लॉक संघर्ष समिति के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सीएमओ ने सीएचसी सोहावल का किया निरीक्षण

सोहावल–अयोध्या। खसरा और रूबेला जैसी संक्रामक बीमारियों से बच्चों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल के तत्वाधान में प्राथमिक विद्यालय जगनपुर में लगाए गए एम आर टीकाकरण अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने किया।

चित्रकूट सौन्दर्य और चरित्र की लीला स्थली : ललित

-विद्वत गोष्ठी में विद्वानों ने बताई रोचक जानकारी

चित्रकूट। सृष्टि के अनादिकाल से चित्रकूट सौन्दर्य की स्थापना और चरित्र को केन्द्र में रखकर साधना स्थली के रूप में इसका विकास महाऋषियों, तपसियों और महान पतिव्रत धर्म निभाने वाली सतियों द्वारा किया गया इस परम्परा में गोस्वामी तुलसी दास जी ने रामचरित मानस की रचना करके जनमानस को एसे चरित्र प्रदान किया जिसमें लोक नायक की सामर्थ हो कथा जिस चरित्र से विश्व मानवता का कल्याण हो सके। डॉ लोहिया ने रामायण मेला के माध्यम से यह सन्देश देना चाहा कि धर्म ही दीघ कालीन राजनीति है अर्थात समाज को सुख शन्ती और उसकी सुरक्षा के लिए राजनीति तभी सक्षम होगी जब उसकी दृष्टि अखण्ड मानव समाज की और सनातन धर्म की रक्षा के लिए तत्पर होगी चित्रकूट ही विश्व का एक मात्र ऐसा केन्द्र है। जहाँ से राम संस्कृति, भरत संस्कृति और सीता संस्कृति विकसित होकर समाज के रूप में भारत की विभिन्न भाषाओं में फैल गई।

यह उदगार राष्ट्रीय रामायण मेला की द्वितीय गोष्ठी में प्रख्यात साहित्यकार डॉ चन्द्रिका प्रसाद दीक्षित ने व्यक्त किए। कहा कि अनन्त और विघटन को रोक कर समाज को सही दिशा प्रदान करने में चित्रकूट की संस्कृति ही कार्य कर सकती हैं। वरिष्ठ पत्रकार सन्दीप रिछारिया ने उक्त कथन की पुष्टि करते हुए कहा की चित्रकूट से ही धर्म जीवित है और उसी से भविष्य भी सुरक्षित है। आज जब विश्व भटक रहा है तब चित्रकूट की परम्परा और उसके संस्कार ही मानवता की दिशा दे सकती है। प्राचार्य सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि धर्म के दान की परम्परा प्राचीन समय से चलती रही है। दान की परम्परा को नहीं भूलना चाहिए। असम गुवाहाटी से आए आचार्य देवेन्द्र चन्द्र दास सुदामा ने व्याख्यान सभा में बताया कि कलयुग में नाम ही परम धर्म है। असम के मध्य युग के आर्विभूमि श्रीमंत शंकर देव, माधव देव, हरि देव, दामोदर देव, भट्ट देव इन पाँचों गुरूओं ने राम और श्री कृष्ण नामों पर अधिक बल दिया था। भगवान श्री राम ने राम नाम के बल पर ही समुद्र पार हो सके थे। उन्होने बताया कि परम राम भक्त हनुमान श्री राम नाम के माध्यम से आसाध्य साधन किये थे। भगवान शिव जी ने पार्वती को श्री राम नाम लेने का उपदेश दिया था। और भगवान श्री राम नाम के बल पर ही अयोध्या में भव्य राम मन्दिर का निर्माण हुआ। उन्होने बताया कि असम में प्राचीन काल से नाम धर्म और गीता भागवत को कलयुग में शास्त्र माना गया है। डॉ आद्या प्रसाद सिंह प्रदीप ने कहा कि राम कथा लोक गीतों के प्रत्येक प्रसंग कार्यो में पाई जाती है। भगवान राम के जन्म के समय में "जन्मे है चारो भाई घर–घर बाजे बधाई। इसी क्रम में ही पवन कुमार सिंह सुल्तानपुर, ओम अनादि गुप्त अम्बेडकर नगर, डॉ मूलचन्द्र शुक्ल उत्तराखण्ड, डॉ रामप्यारे सुल्तानपुर आदि ने अपने शोधपरक बयान प्रस्तुत किये। संचालन डॉ चन्द्रिका प्रसाद दीक्षित ललित ने किया।

अमावस्या मेला ड्यूटी में लगाए गए पुलिस अधिकारी, कर्मचारी

-एसपी ने मातहतो को दिए निर्देश

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह की उपस्थिति में फाल्गुन मास अमावस्या मेले को सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए मंदाकिनी भवन सीतापुर में मेला में तैनात पुलिस बल के साथ ब्रीफिंग की गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस फोर्स अपने ड्यूटी स्थल पर तैनात रहकर मेला को सकुशल संपन्न कराए। सभी पुलिस अधिकारी हैंडसेट लाउड हेलर अवश्य प्राप्त कर लें। पुलिस जोनल प्रभारी अपने क्षेत्र का भ्रमण करके जिन प्वांइट पर ड्यूटी लगी है ध्यान से देखें। समय से ड्यूटी करें। अगर कोई ड्यूटी के प्रति शिथिलता बरते तो उनके खिलाफ कार्यवाही के लिए रिपोर्ट प्रेषित करें। पुलिस फोर्स को 3 जोन व 10 सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट व जोनल मजिस्ट्रेट के अलावा 4 पुलिस क्षेत्राधिकारी, 13 थाना प्रभारी निरीक्षक, निरीक्षक, 80 उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, 215 हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल, 48 महिला कांस्टेबल, 3 उपनिरीक्षक यातायात, 22 हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल यातायात, 2 उनि एलआईयू, 6 हेड कान्सटेबल, कान्सटेबल एलआईयू, 1 डॉग स्क्वायड, पीएसी की एक प्लाटून फोर्स, एक प्लाटून लड कम्पनी की डियूटी लगाई गई है। ब्रीफिंग के दौरान क्षेत्राधिकारी राजापुर राजकमल, पुलिस उपाधीक्षक फायर यदुनाथ सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी श्याम प्रताप पटेल, पाण्डेय, चौकी प्रभारी सीतापुर यदुवीर सिंह एवं मेला में लगे समस्त अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

लहरपुर में किसान मजदूर संगठन का मार्च, एसडीएम को सौंपे दो ज्ञापन

सीतापुर(आरएनएस)। लहरपुर तहसील में सोमवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने उप जिलाधिकारी आकांक्षा गौतम को दो अलग–अलग ज्ञापन सौंपे। पहला ज्ञापन प्रधानमंत्री को संबोधित था, जिसमें भारत–अमेरिका व्यापार समझौते से कृषि और दुग्ध उत्पादों को बाहर रखने की मांग की गई। दूसरा ज्ञापन जिलाधिकारी के नाम था, जिसमें गरीब एवं भूमिहीन महिलाओं को कृषि योग्य भूमि और आवासीय पट्टे आवंटित करने की मांग उठाई गई। युवा मंडल अध्यक्ष अजीत कुमार वर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने लहरपुर गेट से पैदल मार्च निकाला और नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। ज्ञापन में ग्राम रुढा भवनाथपुर, दारानगर, खानपुर सादात, गोरिया प्रहलादपुर, उदनापुर कलां समेत अन्य क्षेत्रों की जरूरतमंद महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर बंजर व अनुपयोगी भूमि के पट्टे देने की मांग की गई। संगठन ने पात्र महिलाओं की सूची तैयार कर पारदर्शी प्रक्रिया से भूमि आवंटन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस दौरान राजकुमार वर्मा, मोहम्मद अलीम, अफसाना, कुसुम देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

ग्रामीण रोजगार की कुंजी है मनरेगा-शिवप्रकाश सिंह

सीतापुर(आरएनएस)। मनरेगा बचाओ यात्रा के दूसरे दिन यात्रा हरगांव विधानसभा क्षेत्र के हरगांव और परसेंडी ब्लॉक के सेमरी, खेमादपुर, नवाबपुरवा, नेवादा, बेनियापुर, हाता, विशुनपुर और रामविलासपुरवा गांवों में पहुंची। यहां कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से संवाद कर मनरेगा और पंचायतीराज अधिकारों पर चर्चा की। सेमरी हरगांव में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राजीव गांधी पंचायतीराज प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष राधेश्याम कनौजिया ने कहा, "पंचायतीराज में ही गांव का भविष्य है। इस व्यवस्था ने गांव के मतदाताओं को विकास की चाबी दी है, लेकिन ब्लॉक के अफसरों और दलालों ने यह अधिकार छीन लिया है। यात्रा का उद्देश्य इस चाबी को फिर से गांव के लोगों को सौंपना है। यात्रा संयोजक एवं कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष (संगठन) शिवप्रकाश सिंह ने कहा ग्रामीण रोजगार की कुंजी है मनरेगा। इसे कमजोर कर गरीबों को पूंजीपतियों का गुलाम बनाने की साजिश रची जा रही है। हरगांव विधानसभा क्षेत्र के यात्रा प्रभारी एवं कांग्रेस दलित प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विष्णु गौतम ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में संविधान के राज की जगह लूट का राज चल रहा है। वहीं सुनीला रावत ने कहा कि संविधान बचाने की लड़ाई को तेज करना होगा। यात्रा में नगर पालिका खैराबाद के सभासद रिजवान, वीपेन्द्र भारती, सचिन कुमार, प्रहलाद और कन्हैयालाल कश्यप सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

लहरपुर में प्रतिबंधित पीपल लकड़ी से लदा ट्राला जब्त, वन अधिनियम में कार्रवाई

सीतापुर(आरएनएस)। लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में प्रतिबंधित पीपल की लकड़ी से लदा एक ट्राला प्रशासन ने जब्त कर लिया। कार्रवाई रविवार देर रात तहसीलदार मनीष त्रिपाठी के नेतृत्व में चलाए गए जांच अभियान के दौरान की गई। ग्राम किशनपुर में सड़क किनारे संदिग्ध हालत में खड़े ट्राले की जांच करने पर उसमें प्रतिबंधित प्रजाति की पीपल की गोल लकड़ी भरी मिली। मौके पर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। तहसीलदार ने ट्राले को तत्काल पुलिस और वन विभाग की अभिरक्षा में सौंप दिया। सूचना पर वन क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह बीट अधिकारी राम बख्श सिंह व टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ट्राले को कब्जे में लेकर वन कार्यालय भिजवाया। अधिकारियों के अनुसार ट्राले में लगभग 100 क्विंटल पीपल की लकड़ी लदी थी। मामले में भारतीय वन अधिनियम की धारा 69 के तहत अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच की जा रही है।

रामकोट में आवारा कुत्ते का हमला, बुजुर्ग महिला गंभीर घायल

सीतापुर(आरएनएस)। रामकोट थाना क्षेत्र के रसोरा गांव में सोमवार को एक आवारा कुत्ते ने 50 वर्षीय महिला पर अचानक हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना उस समय हुई जब श्यामकली नामक महिला घर के बाहर मवेशियों को चारा डालने जा रही थीं। तभी एक आवारा कुत्ता उन पर झपट पड़ा और हाथ–पैर में गहरे जख्म कर दिए। महिला की चीख–पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह कुत्ते को भगाया। परिजन तत्काल उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने कई स्थानों पर गहरे घाव होने की पुष्टि करते हुए संक्रमण की आशंका जताई है। महिला को निगरानी में रखा गया है। पीड़िता के परिजनों का कहना है कि करीब एक माह पूर्व भी इसी कुत्ते ने दो लोगों को घायल किया था, लेकिन शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद ग्रामीणों में रोष है और उन्होंने प्रशासन से आवारा कुत्तों को पकड़वाने की मांग की

सीतापुर में दो सड़क हादसेः बाइक सवार की मौत, छात्रा गंभीर घायल

सीतापुर(आरएनएस)। जनपद में रविवार–सोमवार को हुए दो अलग–अलग सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। पहला हादसा बिसवा–लहरपुर मार्ग पर हुआ, जहां 45 वर्षीय गंगाराम अपनी पत्नी रामकली के साथ बाइक से लौट रहे थे। सामने से आ रहे ऑटो से टक्कर में गंगाराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर ऑटो चालक की तलाश शुरू कर दी है। दूसरी घटना सिधौली कोतवाली क्षेत्र के अलादादपुर मोड़ के पास हुई, जहां धौरहरा निवासी संतोष कुमार की 16 वर्षीय पुत्री मंजू यादव को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी।

मिजिल्स रुबेला टीकाकरण अभियान का हुआ शुभारंभ

चित्रकूट। मिजिल्स रुबेला टीकाकरण अभियान के सफल आयोजन के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी की उपस्थिति में नगर क्षेत्र कर्वी में स्थिति कम्पोजिट विद्यालय, नया बाजार कर्वी में टीकाकरण सत्र का विधिवत शुभारम्भ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि मिजिल्स रुबेला केसो की रोकथाम के लिए राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशानुसार जनपद में सचालित सरकारी एंव प्राइवेट शिक्षण संस्थानो में अध्ययनरत कक्षा 1–5 तक आयु 5–10 वर्ष के बच्चो को एमआर टीकाकरण अभियान जनपद एंव समस्त चिकित्सा इकाईयो में 16 से 27 फरवरी तक संचालित किया जा रहा है। एमआर टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारम्भ सोमवार को नगर क्षेत्र धनुष चौराहा स्थित कम्पोजिट विद्यालय में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा एंव डा जीआर रतमेले अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रतिरक्षण ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। इस दौरान आयोजित टीकाकरण सत्र में कुल 69 बच्चे टीकाकरण के लिए लक्षित थे। जिनमें 35 बच्चो का टीकाकरण एएनएम प्रियंका देवी द्वारा किया जा चुका था। इस अवसर पर समस्त स्वास्थ्य, शिक्षा विभाग से सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी एंव आईसीडीएस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य एंव अध्यापक सहित सम्बन्धित क्षेत्र की आशा एंव आगनबाडी कार्यकत्री मौजूद रहे। मिजिल्स खसरा अत्यधिक संक्रामक रोग है। इसमें रुबेला नाम का रोग जिसके लक्षण खसरे के समान ही होते है इसे जर्मन मीजिल्स (खसरा) भी कहा जाता है। यह बच्चा, वयस्को मे होता है। रुबेला संक्रमण से गर्भपात, जन्मजात विकलॉगता, मृत प्रसव एव मानसिक विकास अवरूद्ध हो जाता है। नवजात शिशु की ऑखो में भी विकार आ जाता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद के समस्त अभिभावको से अपील की है कि सभी लोग टीकाकरण अभियान के बारे में अपने घरो के आसपास, मोहल्लो, दोस्तो एवं सामान्य जनमानस को व्यक्तिगत रूप से अवगत कराये एंव ज्यादा से ज्यादा बच्चो को एमआर का टीकाकरण कराये जाने। इस अवसर पर डा श्याम जाटव एसएमओ डब्लूएचओ, दिलीप द्विवेदी डीएमसी यूनीसेफ, धीरेन्द्र प्रताप सिंह जिला समन्वयक जेएसआई, शिवम एफएम डब्लूएचओ, नरोत्तम सिंह जिला डाटा सहायक आरआई, रूपनारायण यादव जिला समन्वयक एनयूएचएम, गर्वतिवारी लेखा सहायक एनयूएचएम, अभिनंदन सिंह फार्मासिस्ट ध्कोल्डचेन हैण्डलर आदि मौजूद रहे।

ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

-शैक्षणिक गुणवत्ता बढाने पर जोर

चित्रकूट। ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को मऊ में किया गया। इस दौरान बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी आम जनता के बीच प्रचारित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मऊ मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी राम ऋषि रमन, नगर पंचायत अध्यक्ष अमित द्विवेदी, खंड विकास अधिकारी ओम प्रकाश यादव एवं खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय शशांक शेखर शुक्ला तथा प्रभात पांडेय अध्यक्ष प्रधान संघ मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा ने किया। उन्मुखीकरण कार्यक्रम में मानिकपुर विधायक अविनाश चन्द्र द्विवेदी ने बताया कि अब बच्चों के अभिभावकों के खाते में डीबीटी के जरिए सीधे 1200 रुपये भेजे जाते हैं। इसका उपयोग बच्चों के यूनिफॉर्म, जूते, बैग आदि खरीदने में किया जाए। साथ ही बच्चों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए उनका उत्साहवर्धन करते रहें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा ने कहा कि सभी शिक्षक डीबीटी एवं एसआईआर का कार्य पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्धारित समय के अंदर पूर्ण करें। इस मौके पर मऊ नगर पंचायत अध्यक्ष अमित द्विवेदी, उपजिलाधिकारी रामऋषि रमन, खण्ड विकास अधिकारी ओमप्रकाश यादव, कर्वी के खण्ड शिक्षा शशांक शेखर शुक्ला, प्रधान संघ अध्यक्ष प्रभात पांडेय ने भी विचार व्यक्त किए। खण्ड शिक्षाधिकारी मऊ केडी पाण्डेय ने विषय वस्तु की जानकारी दी तथा संचालन प्रधानाध्यापक अरुण श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर शिक्षक नेता आलोक कुमार गर्ग, संकल्प पाण्डेय, वीरभान सिंह, शारदेंदु शुक्ला, दिलीप शुक्ला, दनुज कुमार सिंह, तब्बसुम बेगम, भावना त्रिपाठी, ज्ञान सिंह, सुशील पाण्डेय, छविलाल प्रजापति आदि मौजूद रहे।

विदेशी कृषि डील से बर्बाद होगा अन्नदाता सीतापुर में राकेश टिकैत का तीखा हमला

सीतापुर।(आरएनएस) किसान नेता एवं भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत सोमवार को सीतापुर पहुंचे, जहां उन्होंने किसान हुंकार महापंचायत को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की नीतियों पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने स्पष्ट कहा भारत–अमेरिका कृषि व्यापार समझौता सीधे तौर पर किसानों के खिलाफ है। यदि विदेशी कृषि उत्पादों का आयात बढ़ाया गया और उन पर पर्याप्त इंपोर्ट ड्यूटी नहीं लगाई गई, तो भारतीय किसान बाजार में टिक नहीं पाएगा। टिकैत ने कहा पहले खाद्यान्न पर 300 प्रतिशत तक ड्यूटी लगती थी, जिससे किसानों को संरक्षण मिलता था। अब उस सुरक्षा कवच को कमजोर किया जा रहा है। जब विदेश से सस्ता अनाज आएगा तो हमारे किसान की उपज कौन खरीदेगा?" उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी नीतियों से छोटे दुकानदार और स्थानीय व्यापारी भी प्रभावित होंगे। "किसान अपनी जमीन बेचने को मजबूर होगा और बड़े उद्योगपति खेती और व्यापार दोनों पर कब्जा कर लेंगे उन्होंने कहा। मीडिया से बातचीत में टिकैत ने एक चर्चित फाइल प्रकरण पर निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग करते हुए कहा, "सच्चाई सामने आनी चाहिए, चाहे मामला किसी से भी जुड़ा हो।" सभा के दौरान अपेक्षा से कम भीड़ को लेकर उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों को नसीहत दी कि किसान आंदोलन को मजबूत करने के लिए गांव–गांव सक्रिय रहना जरूरी है। महापंचायत में मौजूद किसानों ने उनके विचारों का समर्थन करते हुए कृषि हितों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

खाली कुर्सियां देख मंच से उतरे टिकैत, किसानों के बीच बैठकर जताई नाराजगीमहापंचायत में कई कुर्सियां खाली देखकर टिकैत ने तीखे अंदाज में अपनी असंतुष्टि जाहिर की। उन्होंने मंच से उतरकर सीधे किसानों के बीच जाकर बैठना उचित समझा। उनका यह कदम आयोजकों के लिए स्पष्ट संदेश माना गया कि किसान आंदोलन जमीन से जुड़कर ही मजबूत होगा। सभा में यह दृश्य चर्चा का विषय बना रहा।

तंबौर में महाशिवरात्रि पर भव्य देवी जागरण, पूरी रात गूंजे भक्तिगीत

तंबौर सीतापुर(आरएनएस)। कस्बे में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर माँ भगवती सेवा समिति के तत्वाधान में देवी माता मंदिर प्रांगण में विशाल एवं भव्य देवी जागरण का आयोजन किया गया। जागरण के लिए बनाए गए विशाल मैदान में माँ भगवती की आकर्षक झांकी सजाई गई। विधि–विधान से पूजा–अर्चना के उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत माँ पार्वती के पुत्र भगवान गणेश की वंदना से हुई। इसके बाद भजनों की श्रृंखला आरंभ हुई, जिस पर श्रद्धालु देर रात तक तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे। शाहजहांपुर से आई विंध्याचल जागरण पार्टी ने पूरी रात अपने सुरों से भक्ति रस की अविरल धारा बहाई। जागरण में प्रस्तुत भजनों और मनमोहक प्रस्तुतियों पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव–पार्वती, राधा–कृष्ण और गणेश जी सहित विभिन्न झांकियों का सुंदर प्रदर्शन भी किया गया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुनील वर्मा, जय कुमार वर्मा, राजकिशोर कनौजिया, संयोग सिंह, अमित सिंह, गंगा वर्मा, मनोज नाग, बृजमोहन गुप्ता सहित भारी संख्या में महिला–पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे। पूरा वातावरण "हर–हर महादेव" और "जय माता दी" के जयघोष से गुंजायमान रहा।

खैराबाद के डी.जे. चौराहे पर चला बुलडोजर, 150 मीटर तक हटाया गया अतिक्रमण

सीतापुर(आरएनएस)। खैराबाद थाना क्षेत्र के डी.जे. चौराहे पर सोमवार शाम प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाकर अवैध पटरी दुकानों को हटाया। यह अभियान व्यस्त डी.जे. चौराहे पर चलाया गया, जहां सरकारी जमीन पर वर्षों से दुकानें संचालित हो रही थीं। कार्रवाई के दौरान चौराहे से करीब 150 मीटर तक का क्षेत्र खाली कराया गया। प्रशासन के अनुसार उक्त दुकानें सरकारी भूमि पर बनी थीं और लंबे समय से अतिक्रमण की स्थिति बनी हुई थी। अभियान के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। बुलडोजर चलते ही क्षेत्र में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। खैराबाद नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी ने बताया कि जमीन खाली कराकर यहां सौंदर्यीकरण कराया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था सुधरेगी और जाम की समस्या से राहत मिलेगी। तहसीलदार अतुल सेन सिंह ने बताया कि करीब एक माह पूर्व दुकानदारों को नोटिस देकर 150 मीटर क्षेत्र खाली करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन समय सीमा में अतिक्रमण न हटाने पर यह कार्रवाई करनी पड़ी। वहीं, पटरी दुकानदारों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि वे 20–25 वर्षों से यहां रोजगार कर रहे थे और अचानक हटाए जाने से उनके सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सीएम युवा योजना में एसबीआई की खराब कार्य प्रणाली पर सीडीओ नाराज

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने मुख्यमंत्री युवा योजना की समीक्षा की। इस दौरान स्टेट बैंक में अधिक संख्या में आवेदनों के लंबित होने पर नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री युवा योजना में आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्ति की समीक्षा बैठक मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सोमवार को की गयी। जिसमें स्टेट बैंक में सबसे अधिक 86 आवेदन लंबित पाये गये। इस पर सीडीओ ने उनकी कार्य प्रणाली पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए लंबित आवेदनों को एक सप्ताह के अन्दर निस्तारित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएम युवा योजना का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है, लेकिन इस तरह के उदासीन रवैये से प्रगति में बाधा उत्पन्न किया जाना गंभीर विषय है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, पंजाब एण्ड सिंध बैंक एवं यूको बैंक की स्थिति ठीक पायी गयी। हालांकि इन बैंकों में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कम आवेदन प्रेषित किये जाने पर उन्होंने उद्योग विभाग, सीएम युवा फेलो को इसमें तेजी लाकर इस सप्ताह में स्थिति सुधारे जाने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान अग्रणी जिला प्रबंधक, सहायक आयुक्त उद्योग, सीएम युवा फेलो जुबेर एवं बरमदीन, संबंधित बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

मिलेट्स जागरूकता वैन को डीएम ने दिखाई हरी झंडी

चित्रकूट। मिलेट्स की खेती, प्रसंस्करण, विपणन एवं उपभोग को जन सामान्य के बीच प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से श्री अन्न के प्रचार प्रसार वाहन को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग द्वारा हरी झण्डी दिखाकर गावों के लिये रवाना किया गया। इस जागरूकता वैन में इलेक्ट्रॉनिक एलईडी के माध्यम से मिलेट्स के उत्पादन, नवीनतम तकनीकी तथा मिलेट्स के माध्यम से तैयार किये जाने वाले व्यंजनों के सम्बन्ध में जनपद के .षकों, महिलाओं व अन्य जन समुदाय को जागरूक किया जायेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि मिलेट्स को अपने दैनिक आहार में शामिल करने से कई खनिज तत्वों व पोषक तत्वों की पूर्ति होती है। जिला .षि अधिकारी राजपति शुक्ल ने बताया कि यह जागरूकता वाहन वीडियो के माध्यम से श्री अन्न के बारे में रोचक प्रस्तुति के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगा। ताकि लोग इसके महत्व व उपयोगिता को समझ सकें। कुछ वर्षों पहले बुंदेलखंड क्षेत्र में मिलेट्स की खेती बहुतायत से होती थी लेकिन कुछ स्थानीय समस्याओं व सिंचित क्षेत्र में बढ़ोत्तरी के कारण .षक समुदाय धान गेहूं व अन्य फसलों की ओर उन्मुख हो गया जिससे अब ये लुप्त हो गए, परंतु .षि विभाग 2023 से फिर से इन मिलेट्स के बीज किसानों को उपलब्ध करा कर उत्पादन के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। जिससे विगत दो वर्षों में श्री अन्न अब बाजार में दिखाई देने लगे हैं। इस मौके पर राजकुमार उप .षि निदेशक, डा रंजीत सरोज, नोडल अधिकारी मनोज कुमार मोजूद रहे।

राष्ट्रीय रामायण मेले के दूसरे दिन रामकथा के मर्मज्ञो ने दिए व्याख्यान

चित्रकूट। भगवान श्रीराम की संकल्प भूमि चित्रकूट में द्वितीय दिवस राष्ट्रीय रामायण मेले में सम्पन्न हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों में संतो, मनीषीयों, धर्माचार्यों एवं मानस पर शोध करने वाले मनीषीयों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये। इसी क्रम में राम कथा के क्रम में छिंदवाडा के सीताराम शरण रामायनी ने बताया कि सत्संग अति दुर्लभ है। परमात्मा की कृपा के बिना मानव को सत्संग नहीं मिलता और सतंसंग के बिना मानव जीवन में सद विवेक नहीं होता। सदविवेक से मनुष्य को नीर क्षीर का ज्ञान हो जाता है। उन्होंने मानस की चौपाई का प्रमाण देते हुए कहा कि बिन सत्संग विवेक न होई रामकृपा बिन सुलभ न सोई। उन्होंने संत और संता में भेद बताते हुए कहा कि नारद जी और हनुमान जी संत ही नहीं बल्कि संता है। आचार्य रामलाल द्विवेदी प्राणेश ने रामचरित मानस को जीवन के संविधान सदृश बताया। उन्होंने कहा कि महाराजा मनु ने जब मनुस्मृति की रचना कि तो उन्हे लगा की मनुस्मृति के अनुसार चलना कठिन है, दण्ड विधान कठोर है तो मनु महाराज ने तप करके प्रभु को प्रसन्न किया। मनुस्मृति के अनुसार यदि आचरण करेंगे तो दुनिया को एक आदर्श मिलेगा।

विद्वानों ने राम कथा के विभिन्न पहलुओं पर रखे शोधपरक विचार

चित्रकूट। राम कथा के विभिन्न पहलुओं पर शोधकर्ताओं ने प्रमुख रूप से डॉ हरि प्रसाद दुबे अयोध्या ने विभिन्न सम्प्रदायों में राम कथा के सम्बन्ध में बताया कि प्राचीन बौद्ध साहित्य में रामकथा संबंधी तीन जातक सुरक्षित हैं। सबसे अधिक प्रसिद्ध दशरथ जातक है। अनाकम जातकम में रामकथा संदर्भित है। श्री दुबे ने कहा कि दशरथ कथानम् दिव्यावदान का चीनी अनुवाद में हुआ। त्रिपिटक में रामकाव्य प्रचलित हुआ। जैन धर्म में विमल सूरी तथा गुण भद्र से चलती है। विमल सूरी की परम्परा में जैनियों ने कई रामकथाएं लिखी गयी। उन्होंने बताया कि गुणभद्र ने नवीं शती में अपने उत्तर पुराण में रामकथा का वर्णन किया है। वासुदेव, राम पउम यानी पदम मिलता है। जैन रामकथा वाल्मीकि रामायण के बाद उत्पन्न हुई थी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखी बुन्देलखंड की अनूठी झलक

चित्रकूट। राष्ट्रीय रामायण मेला के 53वें समारोह के उद्घाटन दिवस में सांस्कृतिक सभा का कार्यक्रम आनंद और ओज की वर्षा से सराबोर रहा। कार्यक्रम का प्रारम्भ लखनलाल यादव उनके साथी कलाकारों द्वारा बुन्देली गीतों के गायन से हुआ। उनके गीतों में बुन्देलखण्ड की संस्कृति की अनूठी झलक देखने को मिली। शरद अनुरागी का आल्हा गायन रोमांच और ओज से भरपूर रहा। श्रद्धा निगम के नृत्य कला गृह के कलाकारों ने निराला की रचना राम की शक्ति पूजा के नृत्य और अभिनय के माध्यम से जीवंत कर दिया। पूरे कार्यक्रम में करूणा और वीरता का अद्भुत आत्म संघर्ष राम में देखने को मिला। कजरी की क्वीन के नाम से प्रसिद्ध लोकगायिका संजोली पाण्डेय के लोकगीतों ने ऐसी समा बाँधी कि सभागार में बैठे हजारों दर्शक झूम उठे। तालियों की आवाज निरन्तर चलती रही।

भगवान शंकर की बारात, शंकर जी की होली, राम की होली के गीतों का श्रोताओं ने भरपूर आनंद लिया। संजोली पाण्डेय की अनूठी गायन शैली साथ में अभिनय का संयोजन दर्शक को मंत्रमुग्ध कर रहा था। अंत में श्री भूदेव शर्मा की मंडली द्वारा प्रस्तुत रासलीला से दर्शक भक्ति रस में डूबे हुए दिखाई दिये।

एसडीएम ने बोर्ड परीक्षा कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

चित्रकूट। बोर्ड परीक्षाओं को नकलविहीन व पारदर्शी तरीके सम्पन्न कराने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में स्थापित जनपद स्तरीय बोर्ड परीक्षा कंट्रोल रूम का सोमवार को कंट्रोल रूम प्रभारी व उप जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ यादव ने निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कंट्रोल रूम प्रभारी एसडीएम न्यायिक ने कंट्रोल रूम में स्थापित 40 परीक्षा केंद्रों के डीवीआर व सीसीटीवी कैमरों के संचालन का अवलोकन किया। यहां सभी परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी कैमरों का ऑनलाइन संचालन होते पाया। एसडीएम ने सभी परीक्षा केन्द्रों की कक्षाओं में व्यवस्थाएं सही करने व सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

चिंता मे दक्षिण अफ्रीका सुपर -8से पहले डेवाल्ड ब्रेविस को फार्म पर टिकी नजरें

टी20 विश्व कप के अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना यूएई से होगा, जिसमें पहले ही सुपर आठ में पहुंच चुकी प्रोटियाज टीम की नजरें युवा बल्लेबाज डेवॉल्ड ब्रेविस की फॉर्म पर होंगी। यह मैच दक्षिण अफ्रीका के लिए अभ्यास और ब्रेविस के लिए भारत के खिलाफ होने वाले बड़े मुकाबले से पहले लय हासिल करने का बेहतरीन अवसर है।

दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के अपने अंतिम और महत्तवहीन जैसे मुकाबले में बुधवार को यहां जब संघर्ष कर रहे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ उतरेगा तो उसकी निगाहें युवा विस्फोटक बल्लेबाज डेवॉल्ड ब्रेविस की फॉर्म पर टिकी होंगी। दक्षिण अफ्रीका तीन जीत के साथ पहले ही सुपर आठ में जगह बना चुका है।इसमें अफगानिस्तान के खिलाफ दो सुपर ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में जीत और न्यूजीलैंड पर सात विकेट की प्रभावशाली विजय शामिल है। यूएई के लिए यह मुकाबला मार्को यानसन, कागिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी जैसे तेज गेंदबाजों के खिलाफ खुद को परखने का मौका होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें ऐसी आक्रमण पंक्ति का सामना कम ही करने को मिलता है, क्योंकि प्रोटियाज के अधिकांश खिलाड़ी एसए20 में खेलते हैं। एसए 20 का आयोजन यूएई की घरेलू टी20 लीग आईएलटी20 से टकराती है।दक्षिण अफ्रीका के लिए यह मैच अभ्यास जैसा होगा और टीम फिरोजशाह कोटला मैदान की सपाट पिच का पूरा फायदा उठाने के लिए पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी। शीर्ष क्रम में क्विंटन डिकॉक, एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन तीन मैचों में कम से कम एक–एक अध ‍शतक जड़ चुके हैं, लेकिन ब्रेविस (छह, 23 और 21) अभी तक अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। महान एबी डिविलियर्स से बल्लेबाजी शैली की समानता के कारण 'बेबी एबी' के नाम से मशहूर ब्रेविस के शानदार शॉट्स के बीच गैर–जिम्मेदाराना स्ट्रोक खेलने की प्रवृत्ति उनके अगले स्तर पर पहुंचने में बाध ‍ा बनी है। यही कारण है कि 22 वर्षीय ब्रेविस को अभी

शुभमन गिल, हैरी ब्रूक और यशस्वी जायसवाल जैसे समकालीन युवा सितारों की श्रेणी में नहीं रखा जाता।यूएई के पास ज्यादा तेज रफ्तार वाले गेंदबाज नहीं हैं और कोटला की बल्लेबाजों के अनुकूल पिच ब्रेविस को अहमदाबाद में भारत के खिलाफ होने वाले सुपर आठ मुकाबले से पहले लय हासिल करने का अवसर दे सकती है। दक्षिण अफ्रीका अपनी बल्लेबाजी क्रम में शायद ही बदलाव करे लेकिन कप्तान मारक्रम मुख्य तेज गेंदबाज रबाडा और एनगिडी को आराम देकर एनरिक नॉर्किया और युवा क्वेना मफाका को मौका दे सकते हैं। यूएई के लिए रन बनाने की जिम्मेदारी जामिया मिलिया इस्लामिया के पूर्व छात्र सोहैब खान पर होगी, जिन्होंने टूर्नामेंट में लगातार दो अध ‍शतक जड़कर टीम की बल्लेबाजी की रीढ़ की भूमिका निभाई है। कप्तान मोहम्मद वसीम और अलीशन शरफू से भी लालचंद राजपूत की कोचिंग वाली टीम को अहम योगदान की उम्मीद होगी।

राजस्थान रायल्स भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को सीईओ और मेंटर के रूप में जोड़ने के लिए एक मेगा ऑफर दे सकती है

रिपोर्ट्स के अनुसार, राजस्थान रॉयल्स भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को सीईओ और मेंटर के रूप में जोड़ने के लिए एक मेगा ऑफर दे सकती है, जिसमें फ्रेंचाइजी हिस्सेदारी भी शामिल है। हालांकि, बीसीसीआई के एक व्यक्ति, एक पद नियम के कारण, इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए गंभीर को भारतीय टीम के कोच पद से इस्तीफा देना होगा। पूर्व इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चौंपियन राजस्थान रॉयल्स (आरआर) भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर से सीईओ, मेंटर और पार्टनर के रूप में जुड़ने के लिए संपर्क करने जा रही है। गंभीर, जिन्होंने जुलाई 2024 में भारतीय टीम के मुख्य कोच का पदभार संभाला था, का वर्तमान में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ अनुबंध है जो 2027 वनडे विश्व कप के बाद समाप्त होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, आरआर के स्वामित्व में बदलाव होने वाला है, और तीन संभावित मालिकों में से एक ने गंभीर को फ्रेंचाइजी में 2–3 प्रतिशत की अल्पसंख्यक हिस्सेदारी की पेशकश की है।गंभीर का आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ बेहद सफल जुड़ाव रहा, उन्होंने फ्रेंचाइजी को तीन खिताब दिलाने में मदद की, जिनमें से दो उन्होंने खिलाड़ी के रूप में और एक मेंटर के रूप में जीते। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटर के रूप में भी उनका कार्यकाल काफी सफल रहा, और दोनों ही सीजन में टीम प्लेऑफ में पहुंची। हालांकि, भारतीय राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी मौजूदा प्रतिबद्धताओं के कारण गंभीर के आरआर से जुड़ने की संभावना कम है। लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर आधारित सुप्रीम कोर्ट के फैसले

के अनुसार, कोई भी व्यक्ति एक ही समय में राष्ट्रीय टीम में पद धारण करने के साथ–साथ आईपीएल फ्रेंचाइजी से भी नहीं जुड़ सकता। हितों के टकराव की किसी भी संभावना को रोकने के लिए ष्एक व्यक्ति, एक पदष के इस नियम का सख्ती से पालन किया जाता है। अगर गंभीर राजस्थान का प्रस्ताव स्वीकार करते हैं, तो उन्हें भारतीय टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा देना होगा। पूर्व भारतीय बल्लेबाज के करीबी सूत्रों ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन संकेत दिया कि वे अपनी वर्तमान भूमिका के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 वनडे विश्व कप के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में उनका अनुबंध समाप्त हो जाएगा। गंभीर फिलहाल घरेलू मैदान पर भारत के टी20 विश्व कप अभियान की देखरेख कर रहे हैं।

अभिषेक शर्मा से आक्रामक पारी का इंतजार, स्पिनरों के सामने सुधार करना चाहेगा भारत

अपनी पिछली दो पारियों में खाता खोलने में नाकाम रहे सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नीदरलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के मैच में बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जबकि भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज भी सुपर आठ चरण से पहले स्पिन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।अपनी पिछली दो पारियों में खाता खोलने में नाकाम रहे सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नीदरलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के मैच में बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जबकि भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज भी सुपर आठ चरण से पहले स्पिन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। अभिषेक शर्मा ने पिछले 18 महीने में खुद को इस प्रारूप का खतरनाक खिलाड़ी साबित किया है लेकिन घरेलू मैदान पर खेली जा रही आईसीसी प्रतियोगिता में वह अभी तक अपना जलवा नहीं दिखा पाए हैं।के बाद वह पेट के संक्रमण के कारण नामीबिया के खिलाफ दूसरे मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में वापसी की लेकिन खाता खोलने में नाकाम रहे। लेकिन दूसरे छोर पर ईशान किशन की शानदार फॉर्म के कारण अभिषेक के बल्ले से रनों की कमी का टीम की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा है।अभिषेक जोखिम लेने से नहीं

कतराते हैं और उनकी इस तरह की बेखौफ बल्लेबाजी से भारत को कई मैच में जीत भी मिली है। लेकिन इस 25 वर्षीय बल्लेबाज का पिछली छह पारियों में चार बार शून्य पर आउट होना यह संकेत देता है कि उन्हें पावरप्ले में अपनी रणनीति की समीक्षा करने की जरूरत है। अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाज की छवि को देखते हुए यह स्पष्ट है कि विरोधी टीमों ने भारत के इस सलामी बल्लेबाज का सामना करने के लिए अतिरिक्त तैयारी की है।अभिषेक के स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि उनके पास टीम के अन्य बल्लेबाजों की तरह शॉट की व्यापक रेंज नहीं है और वह क्रीज का उपयोग करने और अपने बल्ले की स्विंग पर भरोसा करते हैं ताकि विपक्षी टीम में खौफ पैदा कर सकें। उन्हें पावरप्ले में डीप कवर बाउंड्री पर शॉट मारना पसंद है और विरोधी टीमों ने उनके लिए उस क्षेत्र में एक फील्डर तैनात करके समझदारी दिखाई है। अमेरिका और पाकिस्तान ने उनके लिए इसी तरह की फील्डिंग लगाई थी जिसमें डीप मिड–विकेट भी शामिल था।भारत पहले ही टूर्नामेंट के अगले चरण में पहुंच चुका है और ऐसे में नीदरलैंड के खिलाफ मैच अभिषेक के लिए रन बनाने का शानदार अवसर होगा। किशन और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पाकिस्तान को आसानी से हरा दिया था। लेकिन लगातार दूसरे मैच में भारत के अन्य बल्लेबाजों ने किशन जैसा आत्मविश्वास नहीं दिखाया।नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने अपनी 'राउंड आर्म' और 'बिहाइंड द स्टंप्स' गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया जबकिपाकिस्तान के खिलाफ मैच में एक अन्य अपरंपरागत स्पिनर उस्मान तारिक ने भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। यहां तक घ्कि साइम अयूब भी भारतीयों के खिलाफ प्रभावी साबित हुए थे।नीदरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण में बहुत अच्छे स्पिनर नहीं हैं और ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को उनको खेलने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। नीदरलैंड की स्पिन आक्रमण में आर्यन दत्त और रोएलॉफ वैन डेर मेरवे शामिल है जो काफी समय से खेलने के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करें इसकी संभावना कम लगती है। गेंदबाजी के मोर्चे पर भारत के पास सुपर आठ से पहले कुछ गेंदबाजों को आराम देने का विकल्प है, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं।कोलंबो में अतिरिक्त स्पिन विकल्प के रूप में अर्शदीप सिंह के स्थान पर कुलदीप यादव को चुनने के बाद उम्मीद है कि भारत फिर से दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के संयोजन पर वापस लौटेगा। अगर बुमराह को आराम दिया जाता है तो मोहम्मद सिराज और अर्शदीप के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना है। ऐसे में स्पिन विभाग की जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल संभाल सकते हैं।नीदरलैंड को मौजूदा चौंपियन से मुकाबला करने के लिए अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में जबरदस्त सुधार करना होगा। नामीबिया पर शानदार जीत के बाद पिछले मैच में उसे अमेरिका से करारी हार मिली थी। अहमदाबाद में टी20 विश्व कप के अब तक खेले गए मैचों में सबसे बड़ा स्कोर दक्षिण अफ्रीका ने कनाडा के खिलाफ बनाया था। उसने तब चार विकेट पर 213 रन बनाए थे लेकिन पिछले दो मैचों में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमें 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाई हैं।

स्मृति मंधाना को बीसीसीआई 2025 पुरस्कार मिला

महिला वनडे विश्व कप 2025 में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाली भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को सोमवार को यहां एक भव्य समारोह में 2025 की बीबीसी 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर (साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी)' पुरस्कार के लिए चुना गया। महिला वनडे विश्व कप 2025 में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाली भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को सोमवार को यहां एक भव्य समारोह में 2025 की बीबीसी 'इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर (साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी)' पुरस्कार के लिए चुना गया। शतरंज की युवा प्रतिभा दिव्या देशमुख को 20 वर्ष की उम्र में फिडे महिला विश्व कप जीतने के लिए साल की सर्वश्रेष्ठ उभरती हुई खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। पैरा एथलीट प्रीति पाल को 2024 पेरिस पैरालंपिक में ट्रैक एवं फील्ड में दो कांस्य पदक जीतने के लिए साल की सर्वश्रेष्ठ महिला पैरा खिलाड़ी चुना गया। पूर्व निशानेबाज अंजलि भागवत को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला निशानेबाज रही हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम के साथ मौजूद मंधाना ने वीडियो संदेश में कहा, "बीबीसी का धन्यवाद, जिन्होंने मुझे साल का सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार दिया। 2025 महिला क्रिकेट के लिए खास साल रहा, खासकर साल के अंत में विश्व कप जीतना। मुझे खुशी है कि मैं भारत की जीत में योगदान दे सकी।" बायें हाथ की 29 वर्षीय यह बल्लेबाज महिला वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक शतकों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं और मौजूदा खिलाड़ियों में कुल रनों के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर काबिज हैं। महाराष्ट्र के सांगली शहर की रहने वाली मंधाना को क्रिकेट की प्रेरणा उनके पिता और भाई से मिली, जो जिला स्तर पर खेल चुके हैं।पिछले वर्ष सितंबर में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जड़कर 50 ओवर अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में किसी भी भारतीय (पुरुष और महिला) द्वारा सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड बनाया, जो पहले विराट

कोहली के नाम था। पुरस्कार विजेताओं का चयन लिएंडर पेस, दीपा मलिक और अंजू बॉबी जॉर्ज की जूरी ने किया। बीबीसी न्यूज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जोनाथन मुनरो ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ये खिलाड़ी खेल उत्कृष्टता का सर्वोत्तम उदाहरण पेश करते हैं और बीबीसी विश्व सेवा ऐसी प्रेरक कहानियों को भारत और दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह में अन्य श्रेणियों में भी खिलाड़ियों और खेलों के जरिये बदलाव लाने वालों को सम्मानित किया गया। बीबीसी 'स्टार परफॉर्मर ऑफ द ईयर' 2025 पुरस्कार के विजेतारू भारतीय महिला क्रिकेट टीम–विश्व कप जीत के लिए। भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम–विश्व कप जीत के लिए। भारतीय महिला कबड्डी टीम – विश्व कप जीत के लिए। सिमरन शर्मा, एकता भयान, दीप्ति जीवांजी, प्रीति पाल– विश्व पैरा एथलेटिक्स चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के लिए। बीबीसी 'चेंजमेकर्स ऑफ द ईयर' पुरस्कार के विजेतारू भारतीय महिला आइस हॉकी टीमरू गैर–परंपरागत खेल में बाधाओं को पार करने के लिए। राजबीर कौररू भारतीय हॉकी खिलाड़ी और भारतीय राष्ट्रीय महिला टीम की पूर्व कप्तान। सविता पूनियारू भारतीय हॉकी खिलाड़ी और राष्ट्रीय टीम की मौजूदा सदस्य। पानी देवीरू खेल जगत में जमीनी स्तर पर प्रभावशाली योगदान के लिए।

पाकिस्तान के लिए करो या मरो का मुकाबला, नामीबिया पर हर हाल में करनी होगी जीत

चिर–प्रतिद्वंद्वी भारत के हाथों मिली शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टी20 विश्व कप अभियान एक बेहद नाजुक मोड़ पर पहुँच गया है। बुधवार को नामीबिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला अब पाकिस्तान के लिए श्करो या मरोश की जंग बन चुका है।चिर–प्रतिद्वंद्वी भारत के हाथों मिली शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टी20 विश्व कप अभियान एक बेहद नाजुक मोड़ पर पहुँच गया है। बुधवार को नामीबिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला अब पाकिस्तान के लिए श्करो या मरोश की जंग बन चुका है। सुपर आठ ";(नचमत 8) की दौड़ में बने रहने के लिए पाकिस्तान को न केवल यह मैच जीतना होगा, बल्कि अपने रन–रेट पर भी ध्यान देना होगा।एक समय पाकिस्तान सुपर आठ में जगह बनाने की अच्छी स्थिति में दिख रहा था लेकिन भारत से हार ने उसे बुरी तरह से झकझोर दिया है जिसके कारण उसे ग्रुप ए के अपने आखिरी मैच में करो या मरो की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। विश्व कप में प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष दो टीमें ही सुपर आठ में पहुंचेंगी।पाकिस्तान वर्तमान में भारत और अमेरिका के बाद तालिका में तीसरे स्थान पर है। भारत ने तीन मैचों में तीन जीत के साथ सुपर आठ के लिए क्वालीफाई कर लिया है जबकि अमेरिका चार अंक और बेहतर रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर है। नामीबिया से हार कागजों पर असंभव लगती है लेकिन पाकिस्तान की अस्थिर बल्लेबाजी को देखते हुए इसे पूरी तरह से नकारा भी नहीं जा सकता है।इस मैच में हार से पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा और अमेरिका सुपर आठ में जगह बनाने की अच्छी स्थिति में पहुंच जाएगा।हालांकि पाकिस्तान जिस टीम का सामना करेगी वह अपने तीनों मैच हार चुकी है और ग्रुप में

सबसे निचले स्थान पर है। ऐसे में सारा ध्यान पाकिस्तान की बल्लेबाजी पर होगा जिसमें बाबर आजम, सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान, साइम अयूब और कप्तान सलमान अली आगा शामिल हैं। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की बल्लेबाजी में कमजोरी उजागर हो गई थी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की जोड़ी ने पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 13 रन कर दिया था।पाकिस्तान के मध्य क्रम ने कोई प्रतिरोध नहीं दिखाया और नामीबिया जैसी टीम के खिलाफ भी यह चिंताजनक संकेत है। तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी भी संघर्ष करते नजर आए और उन्होंने अपने दो ओवरों में 31 रन लुटाकर एक विकेट लिया। एकमात्र सकारात्मक पहलू साइम अयूब का रहा, जिन्होंने तीन विकेट लेकर भारत के शीर्ष क्रम को मुश्किल में डाल दिया था। नामीबिया के खिलाफ अफरीदी को शुरुआत में ही विकेट लेने होंगे क्योंकि पहले छह ओवरों में प्रमुख बल्लेबाजों को आउट करने से पाकिस्तान को मैच पर हावी होने का मौका मिल जाएगा।

मोहसिन नकवी मैच खत्म होने से पहले ही स्टेडियम से निकल गए

भारत के खिलाफ टी20 मुकाबले में पाकिस्तान की लड़खड़ाती पारी के बीच PCB अध्यक्ष मोहसिन नकवी मैच खत्म होने से पहले ही स्टेडियम से निकल गए, जिसे टीम के प्रदर्शन पर उनकी निराशा के तौर पर देखा जा रहा है। इस घटना ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी है, जहाँ प्रशंसक उनकी खेल भावना पर सवाल उठा रहे हैं।कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे हाई–वोल्टेज टी20 मुकाबले के दौरान एक दिलचस्प घटनाक्रम देखने को मिला, जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी मैच खत्म होने से पहले ही स्टेडियम से बाहर निकलते नजर आए हैं।बता दें कि यह मुकाबला टी20 विश्व कप के तहत आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जा रहा था। दूसरे पारी के दौरान, जब पाकिस्तान 176 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहा था, तभी कैमरों ने नकवी को स्टेडियम से बाहर जाते हुए कैद किया। मौजूद जानकारी के अनुसार, मोहम्मद नवाज के 12वें ओवर में आउट होने के तुरंत बाद वह मैदान से रवाना हो गए। उस समय पाकिस्तान का स्कोर 77द 5 था और टीम दबाव में दिख रही थी।गौरतलब है कि नवाज

का विकेट मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी पारी संभल नहीं सकी और पूरी टीम 18 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। इस तरह भारतीय टीम ने पाकिस्तानी टीम को 61 रन से हराकर एक और बड़ी जीत दर्ज की।मैच के दौरान प्रसारित तस्वीरों में नकवी वीवीआईपी बॉक्स में मौजूद दिखाई दिए थे। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह से औपचारिक मुलाकात के उद्देश्य से भी वहां पहुंचे थे हालांकि दोनों को साथ में नहीं देखा गया। नकवी ने श्रीलंका क्रिकेट अधिकारियों से बातचीत जरूर की।सोशल मीडिया पर उनकी जल्दबाजी में रवानगी को लेकर कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कुछ प्रशंसकों ने मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की कि वह हार से पहले ही निकल गए। बता दें कि नकवी हाल के महीनों में एशियाई क्रिकेट परिषद और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की जिम्मेदारी संभालने के बाद से भारत–पाक मुकाबलों को लेकर कई बार सुर्खियों में रहे हैं। एशिया कप के दौरान ट्रॉफी प्रस्तुति को लेकर भी विवाद सामने आया था, जब भारतीय टीम ने ट्रॉफी उनसे लेने में असहजता जताई थी।मौजूद जानकारी के अनुसार, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ भारत–पाक मैच को लेकर हुई चर्चाओं में भी नकवी ने सक्रिय भूमिका निभाई थी। ऐसे में मैच के बीच में उनका स्टेडियम छोड़ना स्वाभाविक रूप से चर्चा का विषय बन गया है। भारत की जीत के साथ जहां टूर्नामेंट में उसकी स्थिति मजबूत हुई है, वहीं पाकिस्तान के लिए आगे की राह और चुनौतीपूर्ण होती दिख रही है।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को मिला सहारा, डालर के मुकाबले 90.73 के स्तर पर

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.72 पर खुला।अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के चलते मंगलवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपये में मामूली सुधार देखा गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 1 पैसे की बढ़त के साथ 90.73 के स्तर पर कारोबार करता

नजर आया। हालांकि, डॉलर की मजबूती और विदेशी फंडों की निकासी ने रुपये की इस तेजी पर लगाम लगाए रखी।वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.72 पर खुला।हालांकि बाद में फिसलकर 90.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसा की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को आठ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.74 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.14 पर रहा।घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 245.87 अंक टूटकर 83,031.28 अंक पर जबकि निफ्टी 106.45 अंक फिसलकर 25,576.30 अंक पर पहुंच गया।

माइथो-एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज, विराट कर्णा का शिव अवतार बना सबसे बड़ी हाईलाइट

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर, अभिषेक नामा के डायरेक्शन में बनी माइथो–एक्शन फिल्म नागबंधम का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में विराट कर्णा लीड रोल में हैं। प्रोड्यूसर किशोर अन्नापुरेड्डी और निशिता नागिरेड्डी ने इस फिल्म को एक बहुत बड़े स्केल पर तैयार किया है, जिसमें वर्ल्ड–क्लास प्रोडक्शन वैल्यू साफ नजर आ रही है।फैंस की एक्साइटमेंट तब सातवें आसमान पर पहुंच गई जब सुपरस्टार महेश बाबू ने खुद इस टीजर को लॉन्च किया, जिससे पूरे देश में इस फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। हिमालय की रहस्यमयी वादियों के बैकड्रॉप पर सेट यह टीजर एक ऐसी दुनिया का दरवाजा खोलता है, जहां समय से भी पुराना एक गहरा राज दफन है। जब एक इंसान का लालच इस ब्रह्मांडीय सच को उजागर करने की कोशिश करता है, तब नियति खुद अपने योद्धा को चुनती है।नागबंधम की कहानी अब्दाली के ऐतिहासिक अफगान आक्रमण से प्रेरित है, जिसमें माइथोलॉजी, इतिहास और आध्यात्मिक युद्ध का अनोखा मेल देखने को मिलता है। यह लड़ाई सांस्कृतिक विरोध और दैवीय सुरक्षा के बीच के टकराव को दिखाती है।इस महागाथा के केंद्र में है पवित्र नागबंधम मंदिर, एक ऐसा गुप्त मंदिर जिसकी रक्षा दिव्य शक्तियां कर रही हैं और माना जाता है कि यहां ब्रह्मांड की एक प्राचीन शक्ति सुरक्षित है। हिमालय के छिपे हुए रास्तों के बीच स्थित इस मंदिर में इतनी अपार शक्ति है कि अगर यह गलत हाथों में पड़ गई, तो अकल्पनीय तबाही आ सकती है।ब्रह्मा की रचना से जन्मा... विष्णु के धर्म से सुरक्षित... महादेव के क्रोध से शक्ति प्राप्त..., यह दमदार लाइन नागाबंधम की आत्मा को बखूबी बयां करती है। यह एक ऐसी गाथा है जहाँ दिव्यता, नियति और विनाश का आमना–सामना होता है। डायरेक्टर अभिषेक नामा की बड़ी सोच और साफ विजन इस टीजर में साफ झलकती है। उन्होंने जिस तरह से माइथोलॉजी, एक्शन और आध्यात्म को बेहतरीन टेक्निकल काम के साथ जोड़ा है, वो इस फिल्म को एक अलग ही लेवल पर ले जाता है। हैरानी की बात यह है कि बिना एक भी डायलॉग के, यह टीजर अपनी विजुअल पावर और शानदार कहानी कहने के अंदाज से दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब रहा है। पहले ही फ्रेम से नागबंधम एक भव्य विजुअल एपिक होने का अहसास कराती है। सिनेमैटोग्राफर सुंदर राजन एस ने कमाल की बारीकी के साथ दिल दहला देने वाले नजारों को कैमरे में कैद किया है, वहीं हाई–एंड वीएफएक्स फिल्म के स्केल को और भी बड़ा बना देते हैं।विजुअल्स के साथ–साथ अशोक कुमार का शानदार प्रोडक्शन डिजाइन, जुनैद कुमार का रोंगटे खड़े कर देने वाला बैकग्राउंड

स्कोर और आरसी प्रणव की जबरदस्त एडिटिंग दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है, जहां भक्ति युद्ध बन जाती है और आस्था गुस्से में बदल जाती है। प्रोड्यूसर्स की यह पहली फिल्म होने के बावजूद, उनका काम करने का अंदाज काफी मजबूत दिख रहा है। उन्होंने डायरेक्टर अभिषेक नामा के बड़े विजन को पूरा सपोर्ट किया है। भारी–भरकम सेट्स लगाने से लेकर वीएफएक्स और हर टेक्निकल बारीकी पर जिस तरह ध्यान दिया गया है, उससे साफ है कि यह फिल्म इंडियन सिनेमा के लिए एक नया बेंचमार्क सेट करने वाली है।कहानी के हीरो विराट कर्णा एक बहुत ही दमदार और बदले हुए अवतार में नजर आ रहे हैं। टीजर में मगरमच्छ के साथ उनकी लड़ाई के अलावा, भगवान शिव के रूप में उनकी एंट्री सबसे बड़ी हाईलाइट है। शिव जी का किरदार निभाना आसान नहीं होता, लेकिन विराट ने इसे पूरी शिद्दत से निभाया है। उनकी इंटेंसिटी और गजब का फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन इशारा करता है कि यह उनके करियर की सबसे यादगार परफॉरमेंस होने वाली है।

धुरंधर ने रचा इतिहास, बनी भारत की सबसे लंबी ट्रेंड करने वाली फिल्म,छावा, पुष्पा 2, जवान को छोड़ा पीछे

आदित्य धर की धुरंधर को थिएटर में रिलीज हुए दो महीने से ज्यादा हो गए हैं। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और यह अब तक की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। यह शानदार कमाई जबरदस्त वर्ड ऑफ माउथ की वजह से मुमकिन हुई, जिससे धुरंधर हर हफ्ते इंडियन बॉक्स ऑफिस पर नंबर वन फिल्म बनी रही। यह फिल्म रिलीज होने के बाद से ही ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म बुकमायशो पर ट्रेंड कर रही है। असल में यह अब प्लेटफॉर्म पर सबसे लंबे समय तक ट्रेंड करने वाली इंडियन फिल्म है। सैकनिल्क के मुताबिक, फरवरी के बीच तक धुरंधर बुकमायशो पर 59 दिनों तक ट्रेंड कर रही थी, जिसने 2025 की शुरुआत में विक्की कौशल की फिल्म छावा के 58 दिनों के ऑल–टाइम रिकॉर्ड को पार कर लिया। दोनों फिल्में काफी हद तक वर्ड ऑफ माउथ पर निर्भर थीं और दूसरे और तीसरे हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिससे टॉप भारतीय फिल्मों की तुलना में थिएटर में ज्यादा समय तक टिकीं। स्त्री 2 वर्ड ऑफ माउथ से चलने वाली एक और ब्लॉकबस्टर है, जो 57 दिनों के साथ तीसरे स्थान पर है। बुकमायशो के मुताबिक, ज्यादातर फिल्मों की टिकट बिक्री का आधा हिस्सा प्लेटफॉर्म पर होता है। प्लेटफॉर्म पर सबसे लंबे समय तक ट्रेंड करने वाली टॉप दस फिल्मों की लिस्ट में हाल की बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर और मलयालम की हिट फिल्में भी शामिल हैं।आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी धुरंधर एक स्पाई थ्रिलर है, जिसमें रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। साथ ही इसमें अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त भी हैं। फिल्म को ज्यादातर पॉजिटिव रिव्यू मिले और यह बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही। फिल्म ने दुनिया भर में 1300 करोड़ की कमाई की है, जिसमें भारत में रिकॉर्ड 800 से ज्यादा करोड़ शामिल हैं, जो किसी भी हिंदी फिल्म के लिए सबसे ज्यादा है। इसका सीक्वल, जिसका नाम धुरंधर द रिवेंज है। वो 19 मार्च को रिलीज होने वाला है, जो पार्ट 1 के मुश्किल से तीन महीने बाद आ रही है। सीक्वल में मुख्य कलाकार अपने रोल फिर से करेंगे।

दूसरे दिन शाहिद कपूर की फिल्म ओ रोमियो का बाक्स आफिस पर कमाल, इन फिल्मों को छोड़ा पीछे

विशाल भारद्वाज की फिल्म ओ रोमियो 13 फरवरी को रिलीज हुई. फिल्म में शाहिद कपूर लीड रोल में हैं. वहीं तृप्ति डिमरी फीमेल लीड रोल में हैं. इस फिल्म को फैंस और क्रिटिक्स से शानदार रिव्यूज मिले. दूसरे दिन भी फिल्म की कमाई में ग्रोथ दिखी. फिल्म ने 10 करोड़ से ज्यादा की कमाई की. आइए जानते हैं ओ रोमियो का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन.सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन यानी शनिवार को 12.25 करोड़ की कमाई की. फिल्म के दूसरे दिन के कलेक्शन के ऑफिशियल आंकड़े आने अभी बाकी हैं. पर अगर फिल्म ने दूसरे दिन 12.25 करोड़ का कलेक्शन किया है तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 20.75 करोड़ हो गया है.ओ रोमियो ने पहले दिन 8.50 करोड़ का बिजनेस किया था. फिल्म को दूसरे दिन मॉर्निंग शोज में 10.24 परसेंट, दोपहर के शोज में 22.13 परसेंट, शाम के शोज में 26.79 परसेंट और रात के शोज में 33.87 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. दूसरे दिन अच्छी कमाई के बावजूद फिल्म अपनी बड़ी हिट कबीर सिंह का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई है. कबीर सिंह ने रिलीज के दो दिन में 22.71 करोड़ का कलेक्शन किया था.ओ रोमियो ने इसी के साथ 2026 में रिलीज हुई फिल्म हैप्पी पटेल, राहु केतू, वध 2, भाबीजी घर पर हैं, तू या मैं जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. हैप्पी पटेल ने लाइफ टाइम 6.2 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं राहु केतू ने 6.37 करोड़, भाबीजी घर पर हैं ने 1.37 करोड़, तू या मैं ने दो दिन में 2 करोड़ का कलेक्शन किया.ओ रोमियो की बात करें तो फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के अलावा विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल और नाना पाटेकर जैसे स्टार्स हैं. फिल्म की कहानी काफी इमोशनल है. शाहिद कपूर को जबरदस्त एक्शन करते हुए भी देखा जाएगा.सनी देओल की बॉर्डर 2 की बात करें तो फिल्म ने शनिवार को 1.90 करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म का टोटल कलेक्शन 320.45 करोड़ हो गया है. इस फिल्म को अनुराग सिंह ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ जैसे स्टार्स लीड रोल में हैं. वहीं फिल्म में रानी मुखर्जी लीड रोल में हैं. मर्दानी 3 ने शनिवार को 1.65 करोड़ का कलेक्शन किया. मर्दानी 3 का टोटल कलेक्शन 43.15 करोड़ हो गया है.

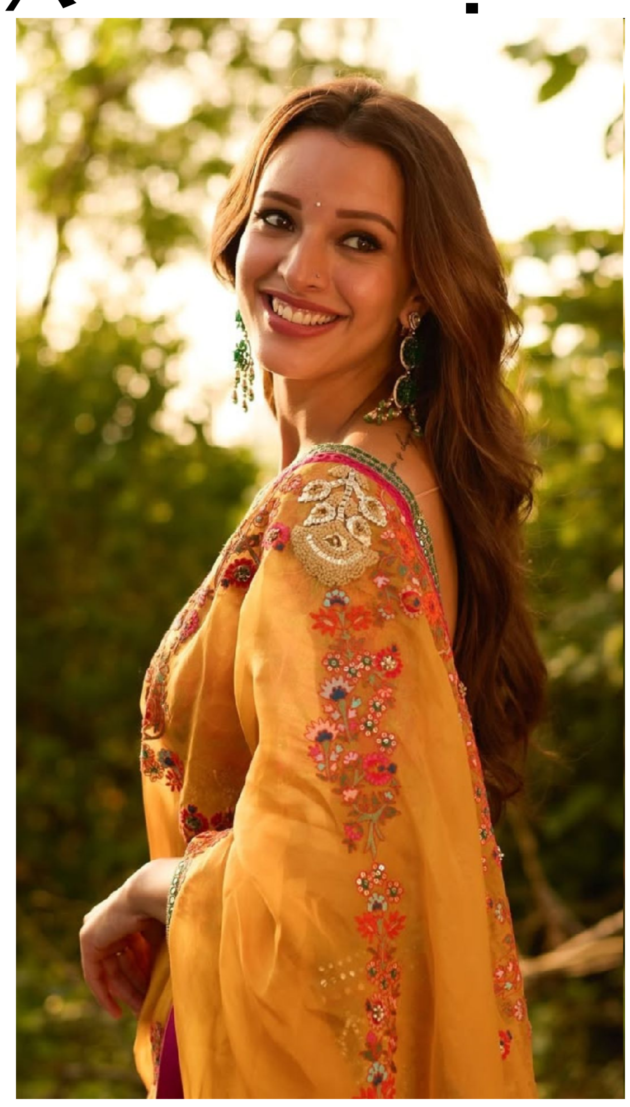

एकता कपूर-इम्तियाज अली फिर आए साथ, लैला मजनू के सीक्वल हीर रांझा का किया ऐलान

लैला मजनू के निर्माता फिर साथ आ रहे हैं। एकता कपूर और इम्तियाज अली ने अपनी नई फिल्म हीर रांझा का ऐलान कर दिया है। ये उनकी साल 2018 की हिट फिल्म लैला मजनू का ही अगला भाग है, जिसके निर्देशन की कमान एक बार फिर साजिद अली संभालने वाले हैं। ये फिल्म मोहब्बत की सदियों पुरानी और अमर कहानी को आज के दर्शकों के लिए एक नए और गहरे अंदाज में पेश करेगी।एकता का मानना है कि इम्तियाज और साजिद अली के पास प्यार को गहराई और ईमानदारी से दिखाने का हुनर है। उन्होंने कहा कि जिस तरह लैला मजनू समय के साथ एक कल्ट क्लासिक बनी, वैसी ही उम्मीद हीर रांझा से भी है। उधर इम्तियाज अली के मुताबिक, हीर रांझा की अपनी एक अलग दुनिया और लय है। ये फिल्म आज की पीढ़ी की प्यार की

भाषा में बात करेगी, लेकिन इसकी जड़ें शाश्वत और अमर प्रेम में होंगी।साल 2018 में रिलीज हुई लैला मजनू रिलीज के वक्त तो ज्यादा तवज्जो नहीं मिली, लेकिन समय के साथ इसने कल्ट क्लासिक का दर्जा हासिल कर लिया। फिल्म की कहानी इम्तियाज अली ने लिखी थी और इसका निर्देशन उनके भाई साजिद अली ने किया था। यह लैला और मजनू की सदियों पुरानी लोक–कथा का एक आधुनिक चित्रण है, जिसे कश्मीर की खूबसूरत और दर्दभरी वादियों में फिल्माया गया है। तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी ने इसमें मुख्य भूमिका निभाई थी।

मास महाराजा रवि तेजा इरुमुदी से कावेरी के रूप में प्रिया भवानी शंकर का फर्स्ट लुक रिलीज

रवि तेजा की 77वीं फिल्म, इरुमुडी, डायरेक्टर शिवा निर्वाण के साथ अपने नए कोलेबोरेशन से काफी एक्साइटमेंट पैदा कर रही है। यह फिल्म मैथरी मूवी मेकर्स के सपोर्ट में है और रवि तेजा के करियर में

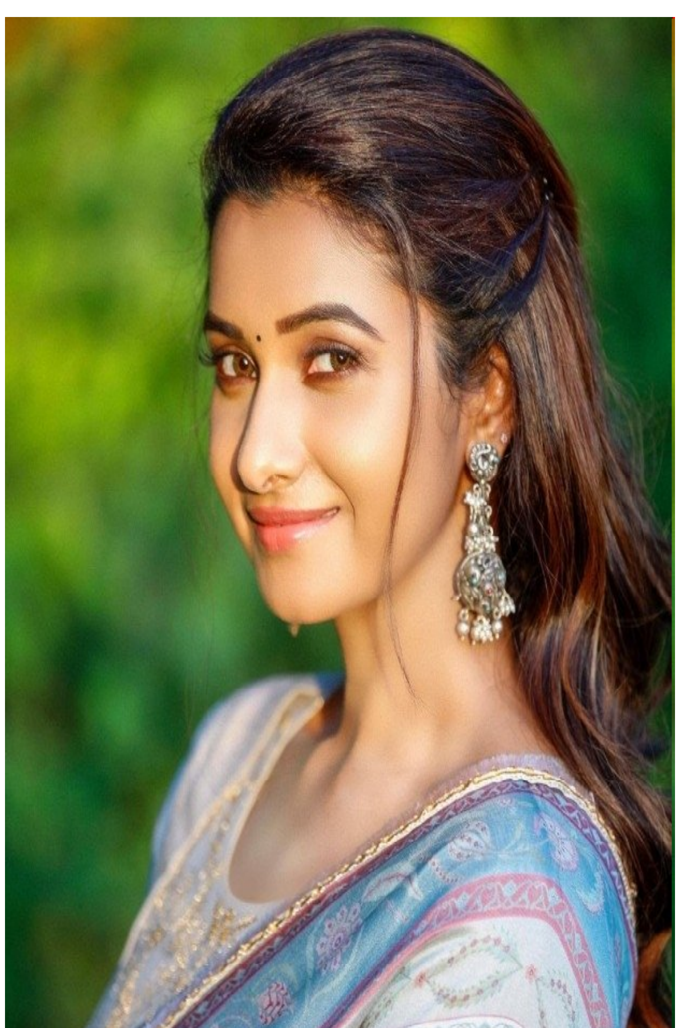

एक नया माइलस्टोन है। महा शिवरात्रि पर, मेकर्स ने लीड एक्ट्रेस प्रिया भवानी शंकर का कावेरी के रोल में फर्स्ट लुक रिलीज किया, जिसमें एक दिल को छू लेने वाली गांव की लव स्टोरी दिखाई गई है। पोस्टर में रवि तेजा रफ एंड टफ, रस्टिक लुक में हैं, प्यार से प्रिया के गाल पर किस कर रहे हैं, जबकि वह ट्रेडिशनल मैरून साड़ी में खुशी से झूम रही हैं। मिट्टी के रंग और हल्की लाइटिंग एक सिंपल, प्यारी सी लव स्टोरी दिखाती है। प्रिया भवानी शंकर, एक टैलेंटेड एक्ट्रेस, कल्याणम कमनीयम और भीमा में अपने डेब्यू के बाद, इस फिल्म से तेलुगु सिनेमा में अपनी पहचान बना रही हैं।इरुमुडी में टैलेंटेड कास्ट है, जिसमें रवि तेजा की बेटी के रोल में बेबी नक्षत्रा, साई कुमार, अजय घोष, रमेश इंदिरा और स्वासिका शामिल हैं। फिल्म की टेक्निकल टीम में म्यूजिक कंपोजर के तौर पर जीवी प्रकाश कुमार, सिनेमैटोग्राफर के तौर पर विष्णु सरमा और प्रोडक्शन डिजाइनर के तौर पर साही सुरेश शामिल हैं।कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग शिव निर्वाण ने लिखे हैं, और नरेश बाबू पी स्क्रिप्ट का काम कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग अभी तेजी से हो रही है, और प्रोडक्शन आसानी से आगे बढ़ रहा है।

स्वधर्म एंटरटेनमेंट ने नाट ए डाक्टर नामक दिलचस्प फिल्म की घोषणा, डरावना पोस्टर जारी

प्रोड्यूसर राहुल यादव नक्का के स्वधर्म एंटरटेनमेंट ने अपने अगले प्रोजेक्ट, नॉट ए डॉक्टर की घोषणा की है, जो टैलेंटेड डायरेक्टर श्रीकांत नागोथी और लीड एक्टर नवीन चंद्रा के साथ मिलकर किया गया है। यह रीयूनियन भानुमति एंड रामकृष्ण और मंथ ऑफ मधु पर उनके सफल काम के बाद हो रहा है, जो एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करता है।टाइटल पोस्टर एक मास्टरस्ट्रोक है, जिसमें जंगल के फर्श से एक बड़ा, मिट्टी से सना हुआ हाथ निकल रहा है, जो काई वाली जड़ों और ऊंचे पेड़ों से घिरा हुआ है। रहस्यमयी टैगलाइन, एक ऐसे नॉवेल पर आधारित जो कभी लिखा ही नहीं गया, भावनाओं और इंसानी सच्चाई से भरपूर एक लेयर्ड कहानी की ओर इशारा करती है। यह तस्वीर जितनी डरावनी है, उतनी ही देखने में भी आकर्षक है, जो एक रहस्यमयी और इमर्सिव कहानी का माहौल बनाती है। स्वधर्म एंटरटेनमेंट के सपोर्ट और श्रीकांत नागोथी की बारीक कहानी के साथ, नॉट ए डॉक्टर एक यादगार सिनेमैटिक एक्सपीरियंस होने का वादा करती है। नवीन चंद्रा, जो अपनी सच्ची एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, इस रहस्यमयी कहानी में गहराई और असलियत लाने के लिए तैयार हैं।फिल्म के बारे में और अपडेट और अनाउंसमेंट जल्द ही होने की उम्मीद है। फिल्म में मिस्ट्री, ड्रामा और इंसानी इमोशन का अनोखा मेल दर्शकों को जरूर पसंद आएगा।

एक्ट्रेस मुक्तिमोहन का नया मंत्र लोगों से अप्रूवल लेने की जरूरत नहीं, बस जिंदगी जियो

शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मुक्ति मोहन सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी से फैंस के दिलों में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे एक वॉइस ओवर के साथ लिपसिंक करती दिख रही हैं, एक ही तो जिंदगी मिली है।

इसमें लोगों को अच्छा बनने का कोई अप्रूवल नहीं दिखा सकती हूं। अच्छा इंसान बनने में कुछ नहीं रखा है। वीडियो में उनका अंदाज बिल्कुल सच्चा और बेबाक है। वे कैमरे की तरफ देखकर सीधे दिल की बात कह रही हैं। बता दें कि यह वॉइस ओवर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मुक्ति और कई अन्य कलाकार और सोशल मीडिया यूजर्स इस पर वीडियो बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं।

मुक्ति अक्सर अपनी बहनों के साथ डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। फैंस को अभिनेत्री का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह–तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मुक्ति मोहन की बात करें तो वे डांसर होने के साथ–साथ वेब सीरीज व टीवी शोज में अभिनय भी करती हैं। उन्होंने साहिब बीवी और गैंगस्टर, हेट स्टोरी, और कांचीरू द अनब्रेकेबल जैसे कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है।उन्होंने करियर की शुरुआत में 2007 में शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से अभिनय की शुरुआत की और जरा नचके दिखा (2010) जीतकर रियलिटी शो में पहचान बनाई और झलक दिखला जा सीजन 6 (2013) में भी भाग लिया। मुक्ति मोहन बड़े पर्दे पर भी अपनी काबिलियत का परचम फहरा चुकी हैं। उन्होंने अब तक साहेब बीवी और गैंगस्टर, मुरान, दारुवु, हेट स्टोरी, टोपीवाला, कांचीरू द अनब्रेकेबल, बॉर्न फ्री, दिल है हिंदुस्तानीरू द मूवी, और थार आदि फिल्मों में अदाकारी की है। मुक्ति मोहन कोरियोग्राफर शक्ति मोहन और गायिका नीति मोहन की बहन हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।